सुविचार

तुम अपने मिनटों का ध्यान रखो, घंटे अपनी परवाह खुद कर लेंगे।

अर्ल ऑफ चेस्टरफील्ड

दैनिक

रेवांचल टाइम्स

निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

■ वर्ष - 09 ■ अंक - 195 ■ मंडला, शुक्रवार 17 अक्टूबर 2025 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-1 रूपये ■ विक्रम संवत् 2082 शक 1935 ■ www.revanchaltimes.com RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877

आज 11.30 बजे नई कैबिनेट की शपथ; नए चेहरों पर फोकस, दो डिप्टी सीएम हो सकते हैं

गुजरात में भूपेंद्र सरकार के सभी 16 मंत्रियों का इस्तीफा

गांधीनगर। गुजरात में सीएम भूपेंद्र पटेल कैबिनेट के सभी 16 मंत्रियों ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। कल गांधीनगर में सुबह 11.30 बजे नई कैबिनेट की शपथ होगी। इस फेरबदल को राज्य में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी से जोड़ा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक मंत्रिमंडल में नए चेहरे शामिल किए जा सकते हैं, 2 डिप्टी सीएम भी बनाए जा सकते हैं। गुजरात कैबिनेट में सीएम समेत 17 मंत्री थे, जिसमें 8 कैबिनेट और 8 राज्य मंत्री (MoS) थे। अब यह संख्या बढ़कर 22-23 हो सकती है। कांग्रेस से भाजपा में आए विधायक भी मंत्री बन सकते हैं। गुजरात विधानसभा में 182 विधायक हैं। कुल संख्या के 15% की अधिकतम सीमा के लिहाज से सीएम समेत कुल 27 मंत्री हो सकते हैं।

कैबिनेट फेरबदल की वजह 2027 के चुनाव की तैयारी

आलाकमान संतुष्ट नहीं: राजनीतिक जानकारों का कहना है कि मौजूदा सरकार के ज्यादातर मंत्री भाजपा आलाकमान की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए हैं। इसके अलावा, हाल ही में हुए विसावदर विधानसभा उपचुनाव में मुख्यमंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के कैंपेन के बावजूद भाजपा अअढ के गोपाल इटालिया को हरा नहीं पाई थी। सत्ता विरोधी लहर: नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री कार्यकाल के बाद से गुजरात सरकार में लगातार बदलाव हुए हैं। आनंदीबेन पटेल और विजय रूपाणी सरकारों के अचानक इस्तीफे और अब मौजूदा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सरकार में बदलाव। ये सारे बदलाव तभी हुए हैं, जब गुजरात की जनता में सत्ता विरोधी लहर का असर महसूस होने लगा। पुराने दिग्गजों को वापस लाना: चर्चा है कि विसावदर सीट के नतीजों ने भाजपा को चिंता में डाल दिया है। भाजपा में ताकतवर माने जाने वाले लेकिन लंबे समय से किसी न किसी वजह से दरकिनार किए गए नेताओं को अब बड़े पद दिए जाएंगे और नई जिम्मेदारियां दी जाएंगी। तीन साल से सरकार में बदलाव नहीं: 2022 में भूपेंद्र पटेल को फिर से मुख्यमंत्री बनाया गया था। इसके बाद तीन साल से मंत्रिमंडल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। जनवरी में नगर पंचायत चुनाव और दो साल बाद 2027 में चुनाव होने हैं। ताजा फेरबदल को इसकी तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है।

अमित शाह आज रात गुजरात पहुंचेंगे

जानकारी के मुताबिक जिन विधायकों को मंत्री बनाया जाना है, उन्हें फोन करके सूचना दे दी गई है। इधर, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह गुरुवार रात करीब 9 बजे गुजरात पहुंचेंगे। वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शुक्रवार सुबह गुजरात पहुंचेंगे। आज राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सुनील बंसल गुजरात आ चुके हैं। शाम तक राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मुंबई में एक कार्यक्रम से गुजरात लौट आएंगे। उसके बाद रात 8 बजे उनके आवास पर मीटिंग होगी। इसके बाद राज्यपाल को नए मंत्रियों की सूची भी सौंपी जाएगी।

कांग्रेस से आए नेताओं को मिल सकता है मंत्रीपद

नए मंत्रिमंडल में 16 में से 7-10 मंत्रियों को ड्रॉप और 3-5 मंत्री रिपीट किए जा सकते हैं। नए चेहरों में कांग्रेस से आए अर्जुन मोढवाड़िया, अल्पेश ठाकोर, सीजे चावड़ा और हार्दिक पटेल को मौका मिल सकता है। सौराष्ट्र से जयेश रादडिया और जीतू वाघानी को मंत्रिमंडल में जगह मिलना तय है। खासकर पाटीदारों और उत्तर गुजरात से ठाकोर समुदाय को तवज्जो दी जाएगी। इसके अलावा, जिन राज्य मंत्रियों को हटाए जाने की संभावना है, उनमें मत्स्य पालन और पशुपालन मंत्री पुरुषोत्तम सोलंकी, पंचायत मंत्री बच्चूभाई खाबर, वन एवं पर्यावरण मंत्री मुकेश पटेल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री भीखूसिंह परमार और आदिवासी विकास मंत्री कुंवरजी हलपति शामिल हैं।

2021 में रूपाणी का पूरा मंत्रिमंडल बदल गया था

4 साल पहले, भाजपा आलाकमान ने तत्कालीन मुख्यमंत्री विजय रूपाणी समेत पूरे मंत्रिमंडल को अचानक बदलकर सबको चौंका दिया था। एक ऐसे घटनाक्रम में, जिसकी किसी को उम्मीद भी नहीं थी, विजय रूपाणी इस्तीफा देने राजभवन पहुंच गए थे। उनके इस्तीफे के बाद, भूपेंद्र पटेल मुख्यमंत्री बने। उनके नेतृत्व में भाजपा ने 2022 के चुनावों में 156 सीटों पर ऐतिहासिक जीत हासिल की।

छत्तीसगढ़ में 'लाल आतंक' के अंत की दिशा में बड़ा कदम

140 नक्सलियों का होगा आत्मसमर्पण

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नक्सल मोर्चे पर एक बड़ा घटनाक्रम होने जा रहा है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के समक्ष 140 से अधिक नक्सली अपने हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल होंगे। आत्मसमर्पण करने वालों में नक्सली संगठन के चर्चित नेता रूपेश भी शामिल हैं जो अपने साथ 100 से अधिक हथियार लेकर आत्मसमर्पण करेंगे।

इस आयोजन के लिए प्रशासन और पुलिस विभाग की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उपमुख्यमंत्री गृह मंत्री विजय शर्मा, जिनके पास गृह विभाग का भी प्रभार है, ने बताया कि बड़ी संख्या में नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़ने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, ह्लराज्य सरकार नक्सलियों के लिए रेड कार्पेट बिछा रही है। हम उन्हें समाज की मुख्यधारा में सम्मानजनक स्थान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विजय शर्मा ने कहा कि बस्तर की जनता अब विकास और शांति चाहती है, लाल आतंक नहीं। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते

हुए कहा, ह्लझीरम घाटी में हमने अपने कई साथी खोए थे। कांग्रेस ने पांच साल तक झीरम रिपोर्ट को जेब में दबाए रखा। आज जो परिवर्तन दिख रहा है, वह नई सरकार के ठोस प्रयासों का परिणाम है।ह्व इसके साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 अक्टूबर की रात छत्तीसगढ़ पहुंचेंगे और एक नवंबर को राज्योत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री 28 से 30 नवंबर तक रायपुर में रहकर डीजी कॉन्फ्रेंस में भाग लेंगे।

चांदी दो दिन में 10 हजार सस्ती हुई

नई दिल्ली। सोने में लगातार 15वें दिन तेजी जारी रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम आज (16 अक्टूबर) 757 रुपए बढ़कर 1,27,471 के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया। कल ये 1,26,714 रुपए पर था। वहीं, चांदी की कीमत में लगातार 20 दिन तेजी के बाद आज दूसरे दिन गिरावट रही। गुरुवार को चांदी 5,917 रुपए घटकर 1,68,083 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। कल चांदी 1,74,000 रुपए प्रति किलो थी। ऐसे में चांदी दो दिन में 10,017 रुपए सस्ती हुई है। इससे पहले मंगलवार, 14 अक्टूबर को चांदी 1,78,100 रुपए के ऑल टाइम हाई पर थी।

इस साल सोना 51,309 और चांदी 82,066 महंगी हुई- इस साल अब तक सोने की कीमत 51,309 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,27,471 रुपए हो गया है।

चांदी का भाव भी इस दौरान 82,066 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,68,083 रुपए प्रति किलो हो गई है।

1.55 लाख रुपए तक जा सकता है सोना- गोल्डमैन सैच की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, बैंक ने अगले साल तक सोने के लिए 5000 डॉलर प्रति औंस का टारगेट रखा है। मौजूदा एक्सचेंज रेट के हिसाब से रुपए में यह लगभग 1,55,000 रुपए प्रति 10 ग्राम होगा। ब्रोकरेज फर्म पीएल कैपिटल के डायरेक्टर संदीप रायचुरा ने कहा कि सोना 1,44,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

तीन बड़े कारण, जिससे आई सोने में तेजी- फेस्टिव सीजन डिमांड: दिवाली-धनतेरस पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है। इससे बायिंग इंटरेस्ट मजबूत हो गया है, भले ही हाई प्राइसेस की वजह से क्वांटिटी कम हो। जियोपॉलिटिकल टेंशन: मिडिल ईस्ट में उथल-पुथल और ट्रेड वॉर की चिंताओं के कारण निवेशक सोना खरीद रहे हैं। अमेरिका की नीतियों को लेकर अनिश्चितता है।

रूसी तेल खरीदी पर ट्रम्प का दावा खारिज

वॉशिंगटन डीसी। भारतीय विदेश मंत्रालय (MEA) ने कहा कि बुधवार को पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प की कोई बातचीत नहीं हुई। टएअ के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल गुरुवार को वीकली प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बारे में जानकारी दी। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया था कि बुधवार को पीएम मोदी ने उनसे

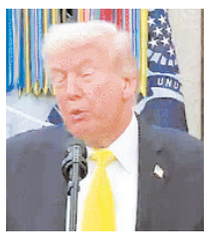

कहा है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। ट्रम्प ने आगे कहा कि भारत के रूस से तेल खरीदने से मुझे खुशी नहीं थी। अब हमें चीन से भी यही करवाना होगा। ट्रम्प ने अगस्त 2025 में भारत पर रूस से तेल खरीदने की वजह से 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया है। इस तरह अमेरिका अब तक भारत पर कुल टैरिफ 50% लगा चुका है।

ट्रम्प बोले- मोदी मुझसे प्यार करते हैं

ट्रम्प ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए यह भी कहा कि, हाल में भारत में अमेरिकी राजदूत बनने जा रहे सर्जियो गोर और पीएम मोदी की मुलाकात हुई थी। इस मीटिंग के बाद सर्जियो ने मुझे बताया कि, वे (मोदी) ट्रम्प से प्यार करते हैं, हालांकि मैं चाहूंगा कि यहां प्यार शब्द का गलत मतलब न निकालें, मैं किसी का पॉलिटिकल करियर खराब नहीं करना चाहता। मैंने सालों से भारत को देखा है, वहां हर साल सरकार बदल जाती है। मेरे दोस्त (मोदी) लंबे समय से वहां पर हैं। उन्होंने भरोसा दिया कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। हालांकि वे इसे तुरंत रोक नहीं सकते, लेकिन इसका एक प्रोसेस है जिसे जल्द पूरा किया जाएगा। ट्रम्प के दावे पर भारतीय विदेश मंत्रालय (MEA) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'भारत तेल और गैस का बड़ा खरीदार है। जनता के हितों की रक्षा करना हमारी प्राथमिकता रही है। हमारी आयात नीतियां इसी मकसद को पूरी करती हैं। ऊर्जा नीति के दो लक्ष्य हैं, पहला स्थिर कीमतें तय करना और दूसरा सुरक्षित आपूर्ति बनाए रखना।'

भोपाल के 371 प्राइवेट स्कूल ने नहीं अपलोड किए फीस दस्तावेज, DEO ने मांगा

भोपाल। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय भोपाल ने निजी स्कूलों पर कड़ी कार्रवाई का संकेत दिया है। लोक शिक्षण संचालनालय मध्य प्रदेश के निर्देश पर फीस संरचना और नोटरी दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करने की अवधि पूरी हो चुकी है, लेकिन जिले के 371 निजी विद्यालय अब तक नियमों का पालन नहीं कर पाए हैं।

883 विद्यालयों ने आवश्यक दस्तावेज नहीं भेजे- प्रशासन की रिपोर्ट के अनुसार भोपाल जिले के कुल 1717 निजी स्कूलों में से 463 ने फीस स्ट्रक्चर (रुपये 25000 से अधिक फीस) जमा किया है और 371 ने रुपये

25000 से कम फीस वाले स्कूलों के दस्तावेज अपलोड किए हैं। जबकि 883 विद्यालयों ने अब तक आवश्यक दस्तावेज नहीं भेजे। डीईओ ने स्पष्ट किया है कि जिन संस्थाओं ने निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया, उन के खिलाफ माध्यमिक शिक्षा मान्यता नियम 2020 के तहत कार्रवाई की जाएगी। **विद्यालयों को कारण भेजी गई बताओ सूचना-** साथ ही इन विद्यालयों को कारण बताओ सूचना भेजी गई है ताकि वे स्पष्टीकरण दे सकें। अधिकारी ने कहा कि आगे किसी भी विद्यालय की मान्यता या नवीनीकरण सिर्फ तभी संभव होगा, जब वे सभी जरूरी दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड कर देंगे। शिक्षा विभाग ने अधिकारियों को इन स्कूलों की निगरानी के लिए एक संयुक्त दल भी बनाने के निर्देश दिए हैं।

पंजाब DIG की चंडीगढ़ कोठी से 5 करोड़ मिले

चंडीगढ़/मोहाली। केंद्रीय जांच एजेंसी (उइक) ने पंजाब पुलिस के रोपड़ रेंज के DIG हरचरण सिंह भुल्लर को रिश्वत केस में गिरफ्तार किया है। DIG ने बिचौलिए के जरिए फतेहगढ़ साहिब में मंडी गोबिंदगढ़ के स्क्रैप कारोबारी से 8 लाख की रिश्वत मांगी थी। रिश्वत न देने पर उसके 2 साल पहले सरहिंद में दर्ज पुराने केस में चार्जशीट पेश करने और नए फर्जी केस दर्ज करने की धमकी दी गई। कारोबारी ने इसकी शिकायत CBI को कर दी। CBI ने जांच के बाद ट्रैप लगा गुरुवार (16 अक्टूबर) को DIG को अरेस्ट कर लिया। इसके बाद दिल्ली और चंडीगढ़ से आई CBI की करीब 52 लोगों की टीम ने उनके मोहाली ऑफिस और चंडीगढ़ के सेक्टर 40 की कोठी को खंगाला। उनकी कोठी से 5 करोड़ का कैश मिला। जो 3 बैग और 1 अटैची में भरा हुआ था। इससे गिनने के लिए उइककी टीम को नोट गिनने वाली मशीन मंगवानी पड़ी। इसके अलावा भारी मात्रा में गहने भी मिले। उइकको CBI की 15 प्रॉपर्टी और लग्जरी गाड़ियों के डॉक्यूमेंट्स भी मिले है। DIG की चंडीगढ़ कोठी में उइककी टीमें अभी भी जांच कर रही हैं। भुल्लर को मोहाली स्थित DIG ऑफिस से पकड़ने की सूचना है लेकिन अभी तक जांच एजेंसी ने औपचारिक पुष्टि नहीं की है। DIG पर दर्ज FIR की कॉपी भी सामने आई है। जिसमें स्क्रैप कारोबारी आकाश बत्ता ने आरोप लगाया कि DIG ने उसे ऑफिस बुलाकर गुस्से में फटकारा। डीआईजी ने बिचौलिए कृष्णु के जरिए उससे बारझबार रिश्वत मांगी। DIG हरचरण भुल्लर 2007 बैच के IPS अफसर हैं। भुल्लर के पिता महल सिंह भुल्लर पंजाब के DGP रह चुके हैं। DIG के भाई कुलदीप भुल्लर भी कांग्रेस से टछअ रह चुके हैं। यही वजह है कि भुल्लर हर पार्टी की सरकार में बड़े पद मिलते रहे। **स्क्रैप कारोबारी की शिकायत में क्या-**

3 बैग-1 अटैची में भरे थे नोट, उइकको 15 प्रॉपर्टी-लग्जरी गाड़ियों का भी पता चला

मेरे खिलाफ केस, चालान पेश नहीं हुआ: मंडी गोबिंदगढ़ के स्क्रैप कारोबारी आकाश बत्ता ने 11 अक्टूबर को यह शिकायत दी थी।

कपिल शर्मा के कैफे पर तीसरी बार फायरिंग

कनाडा। एक्टर कॉमेडियन कपिल शर्मा के कनाडा स्थित कैप्स कैफे पर एक बार फिर फायरिंग हुई है। यह तीसरा मौका है, जब कपिल के कैफे को निशाना बनाया गया है। फायरिंग की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े गोल्डी ढिल्लों और कुलवीर सिद्धू नेपाली ने ली है। फायरिंग के बाद लारेंस गैंग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। उसने अपने पोस्ट में लिखा- वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह। आज जो (डंस्र२ ंाी, सरे) में तीन बार फायरिंग हुई है, उसकी जिम्मेदारी मैं, कुलवीर सिद्धू और गोल्डी ढिल्लों लेते हैं। हमारी आम जनता से कोई दुश्मनी नहीं है। जिनसे हमारा झगड़ा है, वो हमसे दूर रहें। जो लोग अवैध (दो नंबर का) काम करते हैं, लोगों से काम करवा कर पैसे नहीं देते, वो भी तैयार रहें। जो भी बॉलीवुड में धर्म के खिलाफ बोलते हैं, वो भी तैयार रहें। गोली कहीं से भी आ सकती

है। वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह।

इसी साल जुलाई और अगस्त में भी फायरिंग हुई- कपिल शर्मा का कैप्स कैफे कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया स्थित सरे में है। इस पर जुलाई और अगस्त में भी फायरिंग हुई थी। अगस्त में हुई फायरिंग में कैफे की खिड़कियों में छह गोलियों के निशान और टूटा हुआ शीशा दिखाई दिया था। तब लॉरेंस गैंग से जुड़े गोल्डी ढिल्लों का एक पोस्ट वायरल हुआ था, इसमें कपिल के कैफे पर फायरिंग की जिम्मेदारी ली गई थी। जुलाई में हुए हमले में हमलावरों ने कैफे पर 9 राउंड फायरिंग की थी। तब हमले की जिम्मेदारी खालिस्तानी आतंकी हरजीत सिंह लाडी ने ली थी। कपिल शर्मा ने हमले के बाद सरे की मेयर ब्रेंडा लॉक और पुलिस का धन्यवाद किया था। उन्होंने लिखा था, ह्लहमें प्यार और समर्थन देने आए सभी अधिकारियों का शुक्रिया।

25 सहकर्मियों के फर्जी मेडिकल बिल लगाकर अपने खाते में डलवाई रकम, FIR के बाद भागे

3 पुलिसकर्मियों ने पुलिसवालों के नाम पर ठगे 15 लाख

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय में मेडिकल शाखा के अधिकारियों ने फर्जी बिल बनाकर 15 लाख रुपए हड़प लिए। आरोपियों में प्रभारी- ASI हर्ष वानखेड़े, कैशियर- सूबेदार नीरज कुमार और सहायक स्टाफ- हेड कॉन्स्टेबल राजपाल ठाकुर शामिल हैं। एफआईआर दर्ज होते ही तीनों फरार हो गए हैं। घोटाला पीटीआरआई (पुलिस ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट) के 25 कर्मचारियों के नाम पर अंजाम दिया गया।

फर्जी मेडिकल बिल लगाकर हड़पी राशि

टीआई सीबी राठौर ने बताया कि पीटीआरआई के कर्मचारियों ने फरवरी 2025 में आवेदन देकर मामले की जानकारी सीनियर अफसरों को दी थी। जांच में खुलासा हुआ कि अरकहर्ष वानखेड़े, सूबेदार नीरज कुमार और हेड कॉन्स्टेबल राजपाल ठाकुर ने 2023 से जुलाई 2025 के बीच फर्जी मेडिकल बिल पास कर सरकारी राशि अपने बैंक खातों में ट्रांसफर कराई है। डीएसपी ओपी मिश्रा ने कार्रवाई के लिए प्रतिवेदन मंगलवार को सौंपा था। इसके आधार पर बुधवार को जहांगीराबाद पुलिस ने कूट रचित दस्तावेज और धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया। बता दें कि फरवरी महीने में ही तीनों आरोपियों को सस्पेंड कर दिया गया था।

कॉल कर राशि अपने खाते में डलवाते थे

जांच में पता चला है कि आरोपी पहले पीटीआरआई कर्मचारियों के नाम से मेडिकल बिल पास कराते थे। इसकी राशि कर्मचारियों के बैंक खातों में ही जमा होती थी। इसके तुरंत बाद

आरोपियों में से एक नीरज कुमार, पीटीआरआई कर्मचारियों को कॉल कर बताता था कि मेडिकल शाखा की गलती से ये राशि आपके बैंक खाते में पहुंच गई है। ये झांसा देकर आरोपी अपने खातों में रकम ट्रांसफर करा लेते थे। नीरज ने कुछ ही दिनों में एक-एक करके कई कर्मचारियों को कॉल किया। इस पर उनको शक हुआ, जिसके बाद वे सीनियर अफसर के पास शिकायत करने पहुंचे।

रिश्तेदारों के नाम पर हड़पे थे 76 लाख

आरोपियों के खिलाफ इसी साल फरवरी महीने में भी एक एफआईआर दर्ज हुई थी। तब पीएचक्यू की गोपनीय जांच में खुलासा हुआ था कि लेखा शाखा में पदस्थ रहने के दौरान तीनों पुलिसकर्मियों ने कूट रचित दस्तावेजों को तैयार कर 76 लाख की धोखाधड़ी की थी। तीनों ने अपने और परिजन के नाम पर फर्जी मेडिकल बिल तैयार किए और भुगतान करा लिए। ट्रेजरी से मिले इनपुट के बाद जांच कराई गई। इस वारदात का खुलासा होते ही पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स

जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में

समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान

प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ

संपर्क करें 7415685293 9589490996 9340553112

68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

चादर के धंधे में लहूलुहान रिश्तेः बहनोई ने साले की चाकू मारकर की हत्या, हनुमानताल में खून से सनी शाम

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। हनुमानताल थाना क्षेत्र के चांदनी चौक इलाके में बीती शाम वह सब कुछ हुआ जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी.....जहां रोज चादरें बेची जाती थीं, वहां रिश्तों पर खून के छींटे पड़ गए। उत्तर प्रदेश से रोजी-रोटी की तलाश में आए दो रिश्तेदारों के बीच पुराने पारिवारिक और कारोबारी विवाद ने आखिरकार खूनी अंजाम ले लिया। पुलिस के मुताबिक, मृतक रहमत अली (30) और आरोपी जमील अहमद (30) दोनों मूल रूप से सीतापुर (उ.प्र.) के रहने वाले थे और जबलपुर में फेरी लगाकर चादर बेचते थे। पिछले कुछ समय से दोनों के बीच व्यापार और पारिवारिक तनाव चल रहा था। इसी तनाव ने शनिवार 12 अक्टूबर की शाम को हत्या का रूप ले लिया। करीब शाम 7:45 बजे, सैय्यद बाबा मजार वाली गली में जमील ने अपने साले रहमत अली को चाकू से सीने में वार कर दिया। लहूलुहान रहमत को तत्काल मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने रात 11:30 बजे उसे मृत घोषित कर दिया।

पारिवारिक विवाद की जड़ में था संदेह और धंधे की रंजिश

थाना प्रभारी धीरज राज के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जमील और उसकी पत्नी नसरीन (रहमत की बड़ी बहन) के बीच काफी समय से वैवाहिक विवाद चल रहा था। नसरीन के संतान न होने और कथित अवैध संबंधों के आरोपों ने रिश्तों को जहरीला बना दिया था। इसी तनाव के बीच रहमत अली का जबलपुर आकर उसी इलाके में फेरी लगाना, जहां जमील पहले से कारोबार कर रहा था, उसकी चिंगारी बन गया। जमील ने पुलिस पूछताछ में स्वीकार किया कि उसे रहमत अली और उसके परिवार से दबाव महसूस होता था कि वह चादर बेचने का काम न करे। इसी मनोवैज्ञानिक तनाव में उसने हत्या की योजना बना डाली।

तेरे कारण मुझे काम नहीं मिल रहा... आखिरी झगड़ा

गवाहों के अनुसार, वारदात वाली शाम रहमत अली अपने घर के सामने था, तभी जमील आया और कहा, तेरे कारण मुझे काम नहीं मिल रहा। झगड़ा बढ़ा और कुछ ही सेकंड में जमील ने अपने पास रखे फिलिप कार्ड से बुलाए गए पेननाइफ से वार कर दिया। रहमत वहीं गिर पड़ा और जमील मौके से फरार हो गया।

प्रार्थी की रिपोर्ट से खुली पूरी कहानी

प्रार्थी सराफत अली, जो मृतक का कारोबारी साथी था, ने बताया कि रहमत पिछले 15 दिन से उसके अधीन चादर बेचने का काम करता था। वारदात के बाद उसने ही रहमत को ऑटो से मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां उसकी जान नहीं बच सकी।

जमील की गिरफ्तारी और पुलिस जांच

हत्या के बाद आरोपी जमील खुद कोतवाली थाना पहुंच गया और पूरा अपराध कबूल कर लिया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर धारा 103 बीएनएस (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए मचुर्री भेजा गया है। सीएसपी मधुर पाटेरिया, टीआई धीरज राज, एएसआई विनोद सुरकेल और एसआई राजेश पांडे की टीम मामले की जांच कर रही है। रिश्ते, रोटी और रंजिश.....तीनों जब एक साथ उलझते हैं तो समाज की सबसे गहरी दरारें सामने आती हैं। यह सिर्फ हत्या नहीं, बल्कि हमारे समय की एक दर्दनाक तस्वीर है, जहां रिश्तों की गर्माहट अब ठंडी हो चुकी है, और रोजी की दौड़ में इंसानियत दम तोड़ रही है।

मोहम्मद अकरम अंसारी

जब सरकारी विभागों को नहीं रहा कानून का डरः 17 बार लिखे पत्र के बाद आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने जिला अस्पताल में दी दबिश... चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिल घोटाले में दस्तावेज जब्त

ईओडब्ल्यू दरवाजे पर पहुंची तो फाइलें दौड़ने लगीं .... लगता है कई बरसों से आराम फरमा रहीं थीं।

यह अस्पताल है या लेखा शाखा की प्रयोगशाला, जहां बीमारी का इलाज नहीं, बिलों का खेल होता है!

17 पत्रों के बाद छापा पड़ा .... लेकिन असली सवाल ये है कि पहली बार में ही जवाब क्यों नहीं मिला?

ईओडब्ल्यू ने दरवाजा खटखटाया, तो पता चला अंदर फाइलें नहीं .... फरेब पल रहा था।

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कभी सरकारी दफ्तरों को कानून और जवाबदेही का मंदिर कहा जाता था, लेकिन आज हालात यह हैं कि इन विभागों को अब ईमानदारी का डर तो छोड़िए, ईओडब्ल्यू जैसी जांच एजेंसी का भी खौफ नहीं रह गया है। जबलपुर का जिला अस्पताल इसका ताजा और चौंकाने वाला उदाहरण बन गया है, जहां आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने दीपावली से ठीक पहले गुरुवार दोपहर दबिश दी।

स्तर पर अनियमितताओं की शिकायतें मिली थीं। इसी सिलसिले में ईओडब्ल्यू की जबलपुर टीम ने जिला अस्पताल प्रबंधन से पिछले कई महीनों से दस्तावेज मांगे थे। 17 बार .... जी हां, पूरे सत्रह बार .... पत्र भेजे गए, लेकिन जवाब नहीं आया। ना कोई दस्तावेज, ना कोई सहयोग। जैसे पूरा तंत्र यह संदेश दे रहा हो कि हम किसी के दबाव में नहीं। जब जांच एजेंसी की धैर्य की सीमा टूट गई, तो गुरुवार दोपहर 12:30 बजे ईओडब्ल्यू की टीम जिला अस्पताल पहुंची और सीधे लेखा शाखा, भंडार व अभिलेख कक्ष में दस्तावेज जब्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी। अचानक की गई कार्रवाई से अस्पताल में मची अफरा-तफरी जैसे ही टीम पहुंची, अस्पताल प्रशासन के होश उड़ गए। अधिकारी इधर-उधर फोन मिलाने लगे, अभिलेख छांटे जाने लगे, और जो अब तक महीनों से दस्तावेज नहीं मिल रहे कहकर टाल रहे थे, वे अचानक फाइलों के ढेर में झांकने लगे। ईओडब्ल्यू की टीम ने वित्तीय लेन-देन, दवा आपूर्ति, निर्माण कार्यों और मरम्मत से जुड़े पंजी और बिलों की जांच शुरू की। शुरूआती जांच में पाया गया कि 2009 से 2020 के बीच कई करोड़ों के बिलों में अधिक भुगतान, फर्जी निविदा प्रक्रिया और चिकित्सा प्रतिपूर्ति में भारी हेराफेरी हुई है। ईओडब्ल्यू को नहीं मिला सहयोग, सरकारी लापरवाही उजागर ईओडब्ल्यू के सूत्रों ने बताया कि अस्पताल प्रबंधन को कई बार नोटिस भेजे गए थे, परंतु हर बार या तो जवाब नहीं मिला, या अधूरी जानकारी भेजी गई। यह वही रवैया है, जो आज लगभग हर सरकारी विभाग में दिखता है .... जवाबदेही से बचने की प्रवृत्ति, जांच एजेंसियों की अनदेखी, और अपने ऊपर कार्रवाई को ठेंगा दिखाने की हिम्मत। ऐसा लगता है, जैसे सरकारी महकमों को अब यह भरोसा हो गया है कि कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

17 बार भेजे गए पत्र, लेकिन नहीं दिया कोई जवाब

ईओडब्ल्यू ने बताया कि साल 2009 से 2020 तक के चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिलों में बड़े

कानून से ऊपर हो चुके अफसरशाही के किले

यह मामला सिर्फ एक अस्पताल या एक घोटाले का नहीं है, यह सरकारी व्यवस्था के उस ढांचे का आईना है, जो अब जनसेवा से स्वार्थ सेवा की दिशा में मुड़ चुका है। जब किसी विभाग को ईओडब्ल्यू जैसी एजेंसी के 17 पत्रों की भी परवाह न हो, तो यह लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। सवाल यह नहीं कि ईओडब्ल्यू ने छापा क्यों मारा, सवाल यह है कि इतने दिनों तक उसने इंतजार क्यों किया? क्या हम ऐसी व्यवस्था में रह रहे हैं, जहां कानून सिर्फ कमजोरों के लिए है और दफ्तरों की दीवारों के भीतर जवाबदेही मर चुकी है? ईओडब्ल्यू की यह कार्रवाई शायद एक शुरूआत है, लेकिन यह उस निडर बेपरवाही पर सबसे बड़ा तमाचा भी है, जिसने सरकारी दफ्तरों को नियमों से ऊपर मान लिया है। दीपावली के पहले आई इस छापेमारी ने वाकई कई अफसरों की नींद हराम कर दी है .... और शायद अब उन्हें समझ आ जाएगा कि कानून की लौ अभी पूरी तरह बुझी नहीं है।

मुहम्मद अनवार बाबू

कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने किया कठोंदा थोक पटाखा बाजार का निरीक्षण

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। पटाखा दुकानों में सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के लिये कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह और पुलिस अधीक्ष संपत उपाध्याय ने आज गुरूवार को कठोंदा स्थित थोक पटाखा बाजार का निरीक्षण किया तथा पटाखा व्यापारियों को लायसेंस की शर्तों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने पटाखा व्यापारियों के लायसेंस, स्टॉक रजिस्टर एवं अन्य दस्तावेजों का परीक्षण भी किया। नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार भी इस मौके पर उनके साथ थे। कठोंदा पटाखा बाजार के निरीक्षण में कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने पटाखा व्यापारियों कों फायर सेफ्टी और इलेक्ट्रिक सेफ्टी पर विशेष ध्यान देने की हिदायत दी। उन्हें मौजूदा अग्निशमन उपकरणों के स्थान पर बिजली एवं ज्वलनशील तरल पदार्थों से लगने वाली आग को बुझाने में इस्तेमाल किये जाने वाले कार्बन डाई ऑक्साईड (CO2) युक्त अग्निशमन यंत्र रखने के निर्देश दिये गये। पटाखा व्यापारियों से कहा गया कि दुकानों पर इलेक्ट्रिक सेफ्टी सर्टिफिकेट अनिवार्य रूप से रखे जायें। स्टॉक रजिस्टर रखने तथा इसे नियमित रूप से अपडेट करने के निर्देश भी पटाखा व्यापारियों को दिये गये तथा पटाखा दुकानों पर लायसेंसधारी व्यक्ति की अनिवार्य मौजूदगी सुनिश्चित करने कहा गया। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से थोक पटाखा बाजार के अंदर वाहनों के प्रवेश को सख्ती से प्रतिबंधित किया जाये। उन्होंने इसके लिये पटाखा बाजार परिसर की बैरीकेटिंग करने के निर्देश दिये तथा वाहनों की पार्किंग व्यवस्था पटाखा बाजार से सुरक्षित दूरी पर रखने की हिदायत दी।

एक दिवसीय अल्प विराम परिचय कार्यक्रम संपन्न

अल्प विराम से बढ़ती है कार्य करने की क्षमता

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं राज्य आनंदम संस्थान के संयुक्त तत्वधान में एक दिवसीय अल्प विराम परिचय कार्यशाला का आयोजन आज गुरुवार को जिला पंचायत के सभागार में किया गया। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गेहलोत की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यशाला में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी मनोज सिंह, आनंदम संस्थान की जिला समन्वयक सुश्री दीप्ति ठाकुर, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक घनश्यामेश्वर दयाल रायपुरिया भी मौजूद थे। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया गया। जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी मनोज सिंह ने कार्यशाला की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुये बताया कि दैनिक कार्यों के साथ जीवन को कैसे खुशहाल बनाया जा सके और कार्यस्थल का माहौल कैसे खुशनुमा रख सकें इसकी जानकारी देना कार्यशाला के आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। आनन्दम संस्थान की जिला समन्वयक सुश्री दीप्ति ठाकुर ने जीवन को खुशहाल

बनाने के तरीकों की चलचित्र एवं डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से जानकारी प्रदान की। मास्टर ट्रेनर राजेन्द्र असाटी, अर्चना शर्मा, सारिका अग्रवाल, सुनीता लखनपाल एवं अनिता यादव ने भी स्वयं को खुश रखने के साथ-साथ परिवार और समाज में खुशनुमा माहौल बनाये रखने के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला में जिला पंचायत, महिला एवं बाल विकास, कृषि, पुलिस, स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग तथा नगर परिषद बरेला और भेड़ाघाट के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक विनायक वडनेरकर द्वारा किया।

संभागायुक्त सिंह ने की सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। संभागायुक्त श्री धनंजय सिंह ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संभाग के सभी जिलों के सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों की समीक्षा की। इस दौरान पंचायत एवं ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास, लोक स्वास्थ यांत्रिकी, पशुपालन एवं डेयरी, शहरी विकास, लोक स्वास्थ व परिवार कल्याण, जनजातीय कार्य विभाग, सहकारिता और श्रम, विभागों की रेंडम आधार पर चयनित शिकायतों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी द्वारा वर्चुअली रूप से उपस्थित रहकर प्रकरणों के निराकरण की प्रगति के बारे में जानकारी दी। संभागायुक्त श्री सिंह ने सीएम हेल्पलाईन में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सतत मॉनिटरिंग कर प्रगति लायें और प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करें। साथ ही उन्होंने विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रभावी कार्ययोजना के साथ कार्य करने के लिए निर्देशित किया।

फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर 10-10 हजार का इनाम घोषित

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जिला पुलिस ने थाना खाराकुआ क्षेत्र के एक गंभीर मामले में तीन फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए नगद इनाम की घोषणा की है। पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा द्वारा जारी उद्घोषणा में कहा गया है कि अपराध क्रमांक 135/11.09.2025, धारा 318, 338, 336(3), 308(7), 3(5) बीएनएस के तहत दर्ज मामले में आरोपी लंबे समय से पुलिस गिरफ्त से दूर हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक आरोपी की गिरफ्तारी पर 10,000 रुपए नगद इनाम घोषित किया है।

फरार आरोपी इस प्रकार हैं...

शौकत मोहम्मद खान, पिता असगर मोहम्मद खान, निवासी 68 एन.आर.आई. कॉलोनी, व्ही.आई.पी. रोड, भोपाल

तकमील नासिर, निवासी 1177/5 नया मोहल्ला, जबलपुर

रियाज खान, निवासी मदार रोड, उज्जैन

पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने कहा कि जो कोई भी व्यक्ति इन आरोपियों की गिरफ्तारी में सहायता करेगा या उनकी उपस्थिति संबंधी पुख्ता सूचना देगा, उसे दस हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा। सूचना देने वाले का नाम पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी को आरोपियों के संबंध में कोई जानकारी हो, तो वह तुरंत उज्जैन पुलिस को सूचित करे। सूचना देने के लिए ये नंबर जारी किए गए हैं .... 0734-2527130, 2525253, 2527143, 100, 7587636996, 7697799907 उज्जैन पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अपराधियों को पकड़ने में मदद करने वाले नागरिकों की सुरक्षा और पहचान को पूरी तरह सुरक्षित रखा जाएगा। एसपी प्रदीप शर्मा ने कहा .... अपराधियों को किसी भी सूरत में छोड़ा नहीं जाएगा, कानून अपना काम करेगा।

कलेक्टर सिंह ने पीएम केयर्स के बच्चों से किया संवाद

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने आज कलेक्ट्रेट में पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना अंतर्गत जिले के उन बच्चों से संवाद किया, जिन्होंने कोविड महामारी के कारण अपने माता एवं पिता दोनों को खोया है। उन्होंने सभी बच्चों से उनकी पढ़ाई-लिखाई, स्वास्थ, खेल, रूचि आदि के बारे में संवाद किया और कहा कि वे पढ़ाई को प्राथमिकता दें और समाचार पत्र भी पढ़े, जिससे नई-नई जानकारियां मिलती हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी परेशानी हो तो वे तुरंत उन्हें या संबंधित अधिकारी को सूचित करें। उल्लेखनीय है कि ऐसे बच्चों को 18 वर्ष पूर्ण होने पर मासिक 5500 रुपए प्रतिमाह स्टायपेंड का प्रावधान है। 23 वर्ष पूर्ण होने पर बच्चों को 10 लाख रुपए प्रदान किया जायेगा। साथ ही आयुष्मान भारत के अंतर्गत 5 लाख रुपए का स्वास्थ बीमा भी कव्हर है। कक्षा 1 से 12वीं तक सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय के माध्यम से वार्षिक 20 हजार रुपए छात्रवृत्ति तथा स्पांसरशिप योजना अंतर्गत 4 हजार रुपए प्रतिमाह का भुगतान का प्रावधान है। जिले में ऐसे 16 बच्चें हैं जिनमें से 4 बच्चे अन्य शहरों में पढ़ाई कर रहे हैं। कलेक्टर सिंह ने बच्चों से संवाद के बाद उन्हें दीपावली के अवसर पर उपहार भी प्रदान किया।

कलेक्टर एवं सीईओ ने किया हाट बाजार की व्यवस्थाओं का निरीक्षण

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह और सीईओ जिला पंचायत अभिषेक गहलोत ने आज रेल सौरभ कॉलोनी स्थित संभागीय हाट बाजार की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उक्त हाट बाजार में अभी डीएमएफ से मरम्मत का कार्य चल रहा है, जैसे ही हाट बाजार का कार्य पूर्ण होगा वहां राष्ट्रीय आजीविका मिशन के उत्पादों के विक्रय किया जायेगा। उन्होंने संबंधित अधिकारी से कहा कि मरम्मत का कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण किया जाये, ताकि समय पर हाट बाजार की कार्ययोजना को मूर्त रूप में लाया जा सके।

म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के आगामी चुनाव वर्ष 2026 में सदस्य पद हेतु आपकी
प्रथम वरीयता मत का आकांक्षी
गोपाल सिंह बघेल (अधिवक्ता)

म.प्र. उच्चन्यायालय
जबलपुर (म.प्र.)
पता – हॉल नं 3 सीट नं 7 विधि भवन,
म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
कार्यालय-निवास
कृष्णा कॉलोनी के पास राज
परिसर सुहागी, जबलपुर (म.प्र.)
Mob.: 9229653295, 8989141208, 7987512717

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स,वार्ड वॉय,आया बाई,फिजियोथैरेपी और दवाईयॉ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो. जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556,9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES

सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

जहरीला कोदो-कुटकी का पेज पीने से पति-पत्नी एवं बालक बेहोश, स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती

तीनों की हालत अब खतरे से बाहर

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। पवित्र नगरी अमरकंटक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गुरुवार को ग्राम पंचायत कबीर मय खुरखुरी दादर, जनपद पंचायत करंजिया, जिला डिंडोरी निवासी एक दंपती और एक बालक को जहरीला पेज खाने से बेहोशी की हालत में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, धमनी तेकाम (45 वर्ष), उनकी पत्नी चंद्रावती तेकाम (40 वर्ष) तथा पड़ोसी बालक आयुष (4 वर्ष) ने आज सुबह घर में तैयार कोदो-कुटकी का पेज खाया था। सेवन के लगभग एक घंटे बाद तीनों को उल्टियां, जी मिचलाना और बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई देने लगे। स्थिति बिगड़ने पर परिजन उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरकंटक लेकर पहुंचे, जहां उपस्थित चिकित्सक डॉ. शशांक परस्ते एवं डॉ. सुनील सिंह ने तत्काल उपचार प्रारंभ किया। डॉ. परस्ते ने बताया कि तीनों ही मरीज अब खतरे से बाहर हैं, किंतु एहतियात के तौर पर उन्हें निगरानी में रखा गया है। आगे और बेहतर जांच एवं उपचार के लिए जिला चिकित्सालय अनूपपुर रेफर किया जाएगा। वहीं डॉ. सुनील सिंह ने बताया कि महिला को उल्टियां हो रही थीं, पेज शरीर के अंदर तक पहुंच गया था, फिर भी स्थिति सामान्य है। तीनों मरीजों को सतत देखरेख में रखा गया है। भर्ती मरीज धमनी तेकाम ने बताया कि उन्होंने सुबह स्वयं घर पर कोदो-कुटकी का पेज बनाया था। उसी को खाने के बाद यह स्थिति उत्पन्न हुई। उन्होंने कहा हमें यह नहीं पता था कि कोदो-कुटकी जहरीला हो गया है। ग्रामीण अंचलों में कोदो-कुटकी किसानों, मजदूरों और श्रमिक वर्ग के भोजन का प्रमुख हिस्सा माना जाता है। यह पोषक और पारंपरिक अनाज सामान्यतः सुरक्षित होता है, परंतु किसी कारणवश इस बार इसका जहरीला होना गंभीर चिंता का विषय है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह अनाज के अनुचित भंडारण या फफूंदजनित संक्रमण के कारण विषैला हो सकता है। फिलहाल, स्वास्थ्य केंद्र अमरकंटक में चिकित्सक दल तीनों मरीजों की गहन निगरानी में सतत उपचार किया जा रहा है।

सहायक सचिव द्वारा बाजार में उपद्रव, पुलिस के सामने की गाली गलौज, ग्रामीणों में आक्रोश

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। नगर से लगभग 12 किलोमीटर दूर निगवानी ग्रामीण क्षेत्र मे सहायक सचिव द्वारा बाजार क्षेत्र में उपद्रव किए जाने का मामला सामने आया है। बताया गया कि ग्राम गोडरू के सहायक सचिव भोलें जायसवाल व अन्य लोग शराब पीकर बीच बाजार में बस खड़ी कर चक्का जाम की स्थिति उत्पन्न कर रहे थे और आस-पास के लोगों से गाली-गलौज कर माहौल बिगाड़ रहे थे। इसी दौरान थाना प्रभारी कोतमा रत्नांबार शुक्ल हत्या के एक मामले में पचखुरा गांव से वापस कोतमा लौट रहे थे। उन्होंने रास्ते में उपद्रव देख कर मौके पर हस्तक्षेप किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पुलिस के समझाने पर भी भोलें जायसवाल एवं एक अन्य व्यक्ति द्वारा पुलिस के सामने ही गाली-गलौज की गई और भोले जायसवाल मौके से फरार हो गए। ग्रामीणों का कहना है कि भोले जायसवाल द्वारा मध्यप्रदेश के मंत्री दिलीप जायसवाल के नाम का उपयोग कर उनके समर्थकों द्वारा गुंडागर्दी की जा रही है। इससे क्षेत्र में भय और आतंक का वातावरण निर्मित हो गया है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि मंत्री के प्रभाव के कारण पुलिस भी कोई कठोर कार्रवाई नहीं कर रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि सहायक सचिव भोलें जायसवाल एवं अन्य आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र में व्याप्त आतंक की स्थिति समाप्त हो सके।

इनक कहना है।

मैं एक हत्या के मामले में पचखुरा गांव से लौट रहा था की निगवानी में भोले जायसवाल एवं एक अन्य के द्वारा उपद्रव कर रहे थे भोले जायसवाल मौका का फायदा उठाकर भाग गया एक अन्य के ऊपर धारा 185 के तहत मामला पंजीकृत किया गया है।

रत्नांबर शुक्ल,
थाना प्रभारी, कोतमा

रेलवे स्टेशन में महिला ने बच्चे को दिया जन्म, अस्पताल में भर्ती

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिला मुख्यालय के रेलवे स्टेशन पर बुधवार को एक महिला ने बच्चे को जन्म दिया। आरपीएफ और जीआरपी पुलिस की टीम ने मौके पर ही महिला की डिलीवरी में मदद की, जिसके बाद उसे जिला चिकित्सालय अनूपपुर में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार 25 वर्षीय रेशमा बिजुरी से अनूपपुर आ रही थी, ट्रेन के अनूपपुर स्टेशन पहुंचते ही उन्हें प्रसव पीड़ा होने लगी। तुरंत आरपीएफ और जीआरपी के जवानों ने महिलाओं की सहायता से स्टेशन पर ही सुरक्षित प्रसव कराया, जहां जच्चा बच्चा दोनों स्वास्थ्य हैं। इसके बाद डिलीवरी के बाद 108 एंबुलेंस को बुलाया गया। जहां एम्बुलेंस पायलट और रेलवे विभाग के कर्मचारियों की मदद से रेशमा को नवजात शिशु के साथ अनूपपुर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला के परिजनों ने आरपीएफ और जीआरपी पुलिस सहित रेलवे विभाग को सुरक्षित प्रसव कराने पर धन्यवाद दिया हैं।

शासकीय सेवक के फर्जी हस्ताक्षर कर शहडोल संभागायुक्त को तबादले का भेजा आवेदन

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। जिले में एक शासकीय सेवक के फर्जी हस्ताक्षर कर शहडोल संभागायुक्त को तबादले का आवेदन भेज कर अनुरोध करने का मामला सामने आया है। मामला तब उजागर हुआ जब 11 अगस्त 2025 को संभागायुक्त कार्यालय से अनूपपुर कलेक्टर को एक पत्र मिला। जिस पर कमलेश कुमार तिवारी ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर बताया कि तबादले के संबंध में कभी कोई आवेदन पत्र अपने हस्ताक्षर से किसी कार्यालय को नहीं दिया है। जिस पर थाना जैतहरी पुलिस जांच कर रहीं हैं। फर्जी पत्र में लिखा हैं कि कमलेश कुमार तिवारी, कॉपिस्ट सहायक वर्ग 3, जल संसाधन विभाग, अनूपपुर ने एक आवेदन दिया है। इसमें कहा गया था कि कलेक्टर अनूपपुर के 7 अक्टूबर 2015 के आदेश से प्रार्थी को जिला निर्वाचन शाखा और विकास शाखा में प्रतिनियुक्ति पर लगाया गया था, और बाद में लेखा शाखा का कार्य भी दे दिया गया। यह भी लिखा था कि अत्यधिक शाखाओं का प्रभार होने के कारण काम में देरी हो रही है, जिससे मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 पर शिकायतें दर्ज हो रही हैं। इससे प्रार्थी को मानसिक परेशानी हो रही है। आवेदन में कमलेश तिवारी ने संलग्नीकरण खत्म कर मूल विभाग जल संसाधन विभाग के अंतर्गत पुष्पराजगढ़ या शहडोल के ब्यौहारी में स्वयं के व्यय पर तबादले का अनुरोध किया था। कमिश्नर ने कलेक्टर को नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए थे। कमलेश तिवारी ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर बताया कि तबादले के संबंध में कभी कोई आवेदन पत्र अपने हस्ताक्षर से किसी कार्यालय को नहीं दिया है। संभागायुक्त को भेजे गए पत्र पर उनके हस्ताक्षर फर्जी हैं। ज्ञात करने पर पता चला कि यह फर्जी पत्र जैतहरी के मोहम्मद कासिफ नफीस के कंप्यूटर में पाया गया था, जिसे नंदू उर्फ नंदलाल सोनी ने टाइप कराया था। पुलिस अधीक्षक से शिकायत के बाद, फरियादी कमलेश तिवारी और कंप्यूटर संचालक के जैतहरीथाना में बयान दर्ज किए गए। पुलिस इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है।

प्रतिष्ठा गौतम ने अलवर में रचा स्वर्णिम इतिहास, मिले 2 स्वर्ण पदक

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिले के बरगवां अमलाई निवासी नन्ही प्रतिभा, प्रतिष्ठा गौतम ने अंडर 8 वर्ग में जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने राष्ट्रीय पारंपरिक लाठी खेल प्रतियोगिता 2025 में एक लाठी और दो लाठी दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर बड़ा कीर्तिमान बनाया। प्रतियोगिता का आयोजन अलवर (राजस्थान) में किया गया।प्रतिष्ठा को स्वर्ण पदक मिलने पर नगर परिषद बरगवां अमलाई में खुशी की लहर है। सम्मान समारोह में उनके साथ दादा राम लखन मिश्रा और पिता आशीर्वाद मिश्र मौजूद रहे। आयोजन समिति की ओर से उन्हें प्रमाणपत्र और मेडल प्रदान किया गया।प्रतिष्ठा इससे पहले उज्जैन में आयोजित मप्र राज्य स्तरीय पारंपरिक लाठी खेल प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन कर दो स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। उनकी इस उपलब्धि परकोच ओर मार्गदर्शक अगमदीप, पिता आशीर्वाद मिश्रा, चाचा अनुरोध मिश्रा, दादा रामचरित्र मिश्रा, रामलखन मिश्रा, अवनीश मिश्रा, विनोद पाण्डेय, प्रदीप मिश्रा, विवेक पाण्डेय परिषद् अध्यक्ष गीता गुप्ता, राजेश मिश्रा विद्याधर मिश्र पवन चीनी अभिषेक गुप्ता सहित परिवारजनों और नगरवासियों ने हर्ष और गर्व व्यक्त किया।

पुलिस ने अवैध शराब विक्रेता पर की कार्यवाही, अवैध शराब जप्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। जिले के थाना रामनगर पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के अंतर्गत एक व्यक्ति को अवैध शराब बिक्री करते हुए पकड़ा गया है। प्राप्त मुखबिर सूचना पर भूरा होटल, राजनगर के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब बिक्री कर रहा है। सूचना पर हमराह स्टाफ एवं गवाहान रमाशंकर मिश्रा, विनोद डागोर निवासी वार्ड क्र. 03 काली बस्ती, राजनगर को साथ लेकर मुखबिर के बताए स्थान पर रेड की गई। मौके पर एक व्यक्ति भूरा होटल के सामने अवैध शराब बिक्री हेतु रखा मिला, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना नाम संतोष कुमार जायसवाल पिता श्री गोपाल जायसवाल, उम्र 34 वर्ष, निवासी वार्ड क्र. 04 सीधी दफाई, राजनगर थाना रामनगर जिला अनूपपुर (म.प्र.) बताया तलाशी लेने पर उसके कब्जे से निम्न अवैध मदिरा बरामद हुई, जिसमे 3 बोतल किंगफिशर बीयर (650 टछ प्रत्येक) 08 पाव ऑफीसर चॉइस (180 टछ प्रत्येक) 24 केन बीयर (500 टछ प्रत्येक) 20 नग देशी प्लेन शराब जिसमें कुल 15.390 लीटर अंग्रेजी शराब एवं 3.600 लीटर देशी प्लेन शराब, इस प्रकार कुल 18.990 लीटर अवैध शराब कीमती लगभग ?6,077/- की पाई गई। आरोपी से शराब रखने-बिक्री करने के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर, उपरोक्त अवैध शराब को समक्ष गवाहान विधिवत जप्त किया गया। आरोपी का कृत्य धारा 34(ए) आबकारी अधिनियम के तहत दंडनीय पाए जाने से अपराध क्रमांक 273/2025, धारा 34(ए) आबकारी एक्ट के अंतर्गत कायम कर विवेचना में लिया गया है।

स्वच्छता अभियान जागरूकता दीवार पेंटिंग से संदेश

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। नगर पालिका परिषद कोतमा द्वारा शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के उद्देश्य से वार्डों में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पं. नेहरू वार्ड क्रमांक 06 के पीपल चौक क्षेत्र में आकर्षक दीवार पेंटिंग के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। वार्ड पार्षद राजकली मनोज सोनी के नेतृत्व में नगरवासियों से अपील की गई है कि वे अपने घरों, गलियों और मोहल्लों का कचरा निर्धारित कचरा वाहन में ही डालें तथा ह्लवार्डह्व और ह्लनगरह्व को स्वच्छ बनाए रखें। दीवारों पर भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी और मोरपंख की सुंदर कलाकृति के साथ स्वच्छता का संदेश प्रदर्शित किया गया है, जो लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। पार्षद सोनी ने कहा कि नगर को स्वच्छ रखना हम सभी की जिम्मेदारी है, यदि प्रत्येक नागरिक अपना कर्तव्य निभाए तो कोतमा को स्वच्छ नगर बनाया जा सकता है। इस अभियान में नगर पालिका परिषद कोतमा का सक्रिय सहयोग प्राप्त हो रहा है।

मॉडल स्कूल के पास लगेगी पटाखा दुकाने

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। कोतमा में आगामी दीपावली पर्व के अवसर पर इस बार पटाखों की बिक्री के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। स्थानीय व्यापारी द्वारा जानकारी दी गई है कि इस वर्ष उनकी पटाखा दुकान मॉडल स्कूल कोतमा के पास लगने वाली है। सभी दुकान पर विभिन्न प्रकार के आकर्षक और सुरक्षित पटाखे बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगे। दुकानदारों का कहना है कि ग्राहकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी पटाखे मानक गुणवत्ता के होंगे। साथ ही उचित दामों पर विविध प्रकार के फुलझड़ी, अनार, चकरी, बम, रॉकेट आदि उपलब्ध रहेंगे।दुकानदार ने नगरवासियों से अपील की है कि इस दिवाली प्रदूषण रहित और सुरक्षित रूप से पर्व मनाएँ तथा निर्धारित स्थान पर ही पटाखे जलाएँ।

सड़क हादसे में एक की हुई मौत

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिले के बिजुरी थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान राम प्रसाद के रूप में हुई है। यह घटना बुधवार को हुई। जानकारी के अनुसार, राम प्रसाद अपनी मोटरसाइकिल से जा रहे थे। बिजुरी में स्थित एक रपटे से उनकी गाड़ी बेकाबू होकर गिर गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। हालांकि, अस्पताल ले जाते समय राम प्रसाद ने दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही बिजुरी थाना प्रभारी विकास सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला से दुष्कर्म, दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिले के राजेंद्रग्राम थाना क्षेत्र में एक महिला से रेप की घटना सामने आई है। जहां दो आरोपियों ने महिला (34) के साथ रेप किया। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। राजेंद्रग्राम थाना प्रभारी पीसी कोल ने बताया कि 13 अक्टूबर को शादीशुदा महिला ने रेप की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। महिला के अनुसार महिला के अनुसार घटना 4 अक्टूबर को हुई थी जब वह राजेंद्रग्राम स्थित बैंक से पैसे निकालकर लौट रही थी। दोपहर करीब 3 बजे उर्मिला कॉलोनी के पास गोलू उर्फ विकास पंडित और अंकित गुप्ता मोटरसाइकिल से आए। उन्होंने महिला का मुंह दबाकर जबरदस्ती बाइक पर बैठाया और जंगल के किनारे एक सूने घर में ले गए। वहां दोनों आरोपियों ने महिला के साथ रेप किया और फिर मौके से फरार हो गए। थाना प्रभारी ने बताया कि महिला अपने तीन बच्चों के साथ घर में अकेली रहती थी। पति 13 अक्टूबर को बाहर मजदूरी करने गया था, जब वो वहां से वापस आया तो महिला ने इसकी शिकायत राजेंद्रग्राम थाने में दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

संपादकीय

भारत एआई का गढ़

भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का गढ़ बनने जा रहा है। यही आकलन करने के बाद गूगल ने आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम में एआई का डाटा सेंटर स्थापित करने की घोषणा की है। यह डाटा केंद्र, अमरीका से बाहर, सबसे बड़ा केंद्र होगा। गूगल ने आगामी पांच सालों में 15 अरब डॉलर खर्च करने का ऐलान राजधानी दिल्ली में आयोजित एक मेगा इवेंट में किया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव, आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू आदि इस मेगा आयोजन में उपस्थित रहे। गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कूरियन ने खुलासा किया कि आज 14,000 से अधिक भारतीय गूगल के साथ जुड़े हैं और गूगल की 5 एआई लैब्स पहले से ही भारत में सक्रिय हैं। विशाखापट्टनम का केंद्र गूगल के संपूर्ण एआई सिस्टम का हिस्सा होगा, जो भारत में क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, डाटा सॉल्यूशंस और एआई मॉडल्स को तेजी से स्केल करेगा। गूगल के थॉमस ने यह स्पष्ट घोषणा की कि भारत अब सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि एआई नवाचार का जेनरेटर बन रहा है।ह्न भारत में अदाणी समूह के साथ मिल कर यह एआई केंद्र बनाया जाएगा। गूगल का इतना बड़ा निर्णय भारतीय बाजार और भारत में एआई को ग्रहण करने की संभावनाओं की ताकत को सत्यापित करता है। भारत सरकार ने एआई मिशन के लिए 5 साल के दौरान 10,300 करोड़ रुपए से अधिक की राशि आवंटित की है। उसके तहत 38,000 ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) लगाई गई हैं। प्रौद्योगिकी और एआई पारिस्थितिकी तंत्र में करीब 60 लाख लोग कार्यरत हैं। इस साल प्रौद्योगिकी क्षेत्र का राजस्व 280 अरब डॉलर को पार कर सकता है। भारत की अर्थव्यवस्था में 2035 तक एआई 1.7 ट्रिलियन डॉलर जोड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय डाटा कॉरपोरेशन के मुताबिक, भारत का एआई बाजार 2025 में करीब 8 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। दरअसल भारत विश्व में सबसे बड़ा ऐसा देश और समाज है, जो अभी से एआई के साथ परिवर्तन लाने को उत्साहित है। विशाखापट्टनम को इसलिए चुना गया है, क्योंकि आंध्रप्रदेश की राजधानी रहते हुए हैदराबाद को ह्यसाइबर सिटीह्न का विशेषण मिला था। तेलंगाना के गठन के बाद समीकरण बदले। अब हैदराबाद उसकी राजधानी है, लिहाजा आंध्र के विशाखापट्टनम को गूगल की विराट परियोजना के लिए चुना गया। यहां गूगल के विकास और बढ़ोतरी की अपार क्षमताएं हैं, क्योंकि रणनीतिक तौर पर यह क्षेत्र एआई की रीढ़ है। सवाल है कि क्या भारत का विकास और उसकी बढ़ोतरी भी गूगल के अनुपात में ही होगी? इस मौके पर गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने ह्यएक्सह्न पर यह लिखा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से बात की थी और विशाखापट्टनम में पहले गूगल एआई हब स्थापित करने की योजना बताई थी। पिचाई के मुताबिक, इस एआई केंद्र में गीगावॉट स्केल कंप्यूट क्षमता, अंतरराष्ट्रीय सबसी गेटवे और बड़े ऊर्जा आधारभूत ढांचे का गेटवे शामिल होंगे। इससे भारत में उपयोगकर्ता और उद्यमियों को उद्योग संबंधी प्रौद्योगिकी मिल सकेगी, जिससे देश में एआई नवाचार बढ़ेगा। बेशक ऐसे बुनियादी ढांचे के साथ भारत अपनी डाटा संप्रभुता में सुधार कर सकता है, एआई का सशक्त गढ़ बन सकता है, लेकिन यह सवाल मौजू है कि एआई कैसे तैनात की जाएगी? एआई कंपनियां भविष्य में ह्यद्वारपालह्न की शक्तियों के साथ मानविकी पर भारी पड़ेंगी। क्या भारत में ऐसा होना चाहिए कि मानविकी बिल्कुल पिछड़ जाए, जिसमें कला-साहित्य, भाषा, अर्थशास्त्र आदि क्षेत्र शामिल हैं। गूगल ने सत्यापित किया है कि कैसे प्रौद्योगिकी के नवाचार आधुनिक संपन्नता के इंजन साबित हो सकते हैं, लेकिन यह भी बताया कि कैसे ऐसी आर्थिक बढ़ोतरी न तो प्राकृतिक है और न ही गारंटीशुदा है। अंततः एआई ही भविष्य को तय करेगी। वह भविष्य कैसा होगा, यह इस सत्य पर आश्रित होगा कि एआई के ढांचे को वास्तविक और शारीरिक तथा डिजिटली तौर पर नियंत्रित कौन करेगा? कौन एआई की कीमत, मूल्य, पहुंच और नियम आदि तय करेगा? एआई के फायदे और जोखिम कैसे बांटे जाएंगे? बड़ी और दिग्गज कंपनियों के एकाधिकार कौन तोड़ेगा?

इस्राइल-हमास युद्धविराम: आशा की किरण या अस्थायी विराम?

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें, फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे। गाजा की धरती लम्बे दौर से संघर्ष, हिंसा, विनाश और तबाही की त्रासदी की गवाह रही है, आज फिर एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ शांति की एक हल्की किरण दिखाई तो देती है, परंतु उसके चारों ओर धुएँ और राख का अंधकार अब भी विद्यमान है। हाल ही में हुए युद्ध-विराम ने न केवल मध्यपूर्व बल्कि समूचे विश्व को राहत की एक साँस दी है। गाजा में अमन-चैन की ओर जो सुखद कदम बढ़े हैं, उनका स्वागत होना चाहिए। परंतु यह सवाल भी उतना ही प्रासंगिक है कि क्या यह शांति स्थायी होगी, या यह केवल अगली लड़ाई से पहले का ठहराव भर है? समूची दुनिया चाहती है कि यह युद्ध विराम स्थायी हो क्योंकि इस्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यह सब दूसरे चरण की बातचीत पर निर्भर हैं।

यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सबकी निगाह इस पर होगी कि शांति समझौते के अगले चरण कब पूरे होते हैं और वे सही तरह पूरे होते भी हैं या नहीं? इस पर संशय इसलिए है, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं कि इजरायली सेना गाजा में कितना पीछे हटेगी और वहां के प्रशासन को संचालित करने का कैसा तंत्र तैयार होगा और क्या उस पर हमास सहमत होगा? इसके अतिरिक्त जहां हमास को हथियार छोड़ने हैं, वहीं इजरायल को स्वतंत्र फिलस्तीन देश की राह आसान करनी है। हमास का कहना है कि हथियार तब छोड़े जाएंगे, जब स्वतंत्र फिलस्तीन का रास्ता साफ होगा। इस पर इजरायल तैयार नहीं दिख रहा है। यह ठीक है कि स्वयं की ओर से प्रस्तावित गाजा शांति समझौते पर अमल शुरू होने के अवसर पर मिस्र जाने के पहले इजरायल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी पहल को पश्चिम एशिया में शांति की स्थापना का पथ करार दिया और इजरायली प्रधानमंत्री से ईरान से समझौता करने को कहा। ऐसे किसी समझौते की सूरत तब बनेगी, जब ईरान इजरायल को मिटाने की अपनी जिद छोड़ेगा।

गाजा की वर्तमान स्थिति किसी एक राष्ट्र या एक नीति की देन नहीं है; यह दशकों से चली आ रही अविश्वास, असमानता और राजनीतिक स्वार्थों की परिणति है। इस बार के संघर्ष ने जिस तरह से निर्दोष नागरिकों, बच्चों और महिलाओं को अपना शिकार बनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि युद्ध चाहे किसी भी नाम पर लड़ा जाए, उसका परिणाम हमेशा मानवीय त्रासदी ही होता है। अस्पताल, विद्यालय, धार्मिक स्थल-कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं रहा। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्राइल-हमास जोखिमभरा युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में होगी। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर एवं ईमानदार प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर एवं तबाही में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है।

एक नाजुक समय में जब युद्धविराम की घोषणा हुई, तो यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि मानवीय विवेक का पुनर्जागरण भी है। यह समझना आवश्यक है कि शांति कोई समझौता नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता है। यही कारण है कि यह युद्धविराम पूरी मानवता के लिए एक आशा की किरण बनकर उभरा है। यह उस संभावना का प्रतीक है कि जब दुनिया के शक्तिशाली देश, विशेषकर अमेरिका, यूरोप, और अरब राष्ट्र अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं से ऊपर उठकर मानवीय सरोकारों को महत्व देते हैं, तो समाधान की दिशा में रास्ता बनता है। फिर भी इस शांति की वास्तविकता पर प्रश्नचिह्न बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही इस युद्धविराम को अपने कूटनीतिक प्रयासों की उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया हो, पर सच यह है कि युद्ध तब रुका जब उसकी भयावहता अपनी चरम सीमा पर पहुँच चुकी थी। यह विराम किसी की ह्यकूटनीति की जीतह्न से अधिक, मानवीय विवशता की उपज है। अंतरराष्ट्रीय दबाव, मानवीय संगठनों की सक्रियता और आम नागरिकों की पुकार ने मिलकर इस विराम को संभव बनाया। अब सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यह शांति टिके, युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला फैले। क्योंकि जब तक गाजा के लोगों को जीवन की मूलभूत सुविधाएँ-पानी, भोजन, दवा, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन नहीं मिलते, तब तक शांति केवल कागजों पर दर्ज रहेगी। वास्तविक शांति केवल तब संभव है जब अन्याय, दमन और असमानता के ढाँचे टूटें। शांति का अर्थ केवल हथियारों का मौन नहीं, बल्कि हृदयों का परिवर्तन है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें, फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे। भले ही ट्रंप यह कह रहे हों कि गाजा शांति समझौते को सभी मुस्लिम देशों का समर्थन मिला, लेकिन वस्तुस्थिति इससे अलग है। जब यह समझौता सामने आया था, तब उसे समर्थन देने और ट्रंप की प्रशंसा करने वालों में पाकिस्तान भी था, पर अब वह इस समझौते को समर्थन देने से केवल पीछे ही नहीं हट गया, बल्कि उसने अपने यहां ऐसा माहौल बनाया कि उसके विरोध में कट्टरपंथी तत्व सड़क पर उतर आए। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पाकिस्तान ने गाजा शांति समझौते को नकारने के लिए ही कट्टरपंथी तत्वों को सड़कों पर उतरने के लिए उकसाया और फिर उन पर गोलियां भी चलवाईं, ताकि दुनिया और विशेष रूप से अमेरिका को यह संदेश जाए कि उसके लिए गाजा शांति समझौते को स्वीकार करना संभव नहीं। यहां अमेरिका को पाक के दोहरे चरित्र को समझ लेना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, अरब लीग और विश्व की सभी बड़ी शक्तियों की जिम्मेदारी है कि वे इस युद्धविराम को केवल घोषणा भर न रहने दें। उसे स्थायी बनाने के लिए एक ठोस मानवीय पुनर्निर्माण योजना तैयार की जाए, जिसमें राजनीतिक समाधान, मानवीय सहायता और संवाद-तीनों को समान महत्व मिले। गाजा के बच्चे जब फिर से स्कूलों में लौटेंगे, जब शरणार्थी अपने घरों में बस सकेंगे, जब भय की जगह भरोसा जन्म लेगा, तभी यह कहा जा सकेगा कि गाजा में शांति आई है। इजरायल को यहां ज्यादा उदारता का परिचय देना होगा, क्योंकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह बहुत ताकतवर है। हमास को भी हिंसा से बचना चाहिए। द्वि-राष्ट्रीय व्यवस्था को जमीन पर ठीक से साकार करना हमास का लक्ष्य होना चाहिए । हमास को अपनी छवि सुधारने की चिंता करनी चाहिए, अगर उस पर यकीन किया गया है, तो उसे खरा उतरना होगा। गाजा में किसी भी सूरत में हिंसा की वापसी नहीं होनी चाहिए। आज यह युद्धविराम भले ही एक आशा की किरण बना हो, परंतु उसे स्थायी प्रकाश में बदलना विश्व समुदाय के विवेक, संवेदनशीलता और सतत प्रयास पर निर्भर करता है।

राशिफल

मेष- किसी को धोखा देने में मनोवृत्ति खिन्न रहेगी, धन का व्यय, कष्ट होगा।

वृष- समय अनुकूल नहीं, लेनदेन के मामले स्थिगित रखें, व्यर्थ विवाद से बचे।

मिथुन- समय व्यर्थ जायेंगा, यात्रा के प्रसंग में थकावट, बेचैनी रहेगी, ध्यान दें।

कर्क- प्रयत्न शीलता विफलता होगी, परिश्रम करने में ही कुछ सफलता अवश्य मिलेगी।

सिंह- परिश्रम से कार्य पूर्ण होने तक मेहनत से विजय होंवेगी, सफलता मिलेगी ध्यान दें।

कन्या- व्यावसायिक कुशलता से संतोष, किन्तु अर्थ व्यावस्था अनुकूल रहेगी।

तुला- किसी तनाव पूर्ण वातावरण से बचिए, कुछ अवरोध वातावरण से परेशानी बढ़ेगी।

वृश्चिक- परिस्थिति में सुधार होते हुए फलप्रद नहीं, कार्य विफलता की चिन्ता अवश्य बनेगी।

धनु- स्त्रीवर्ग से उल्लास, इष्ट मित्र सुख वर्धक होंगे, रुके कार्य बन जायेंगे।

मकर- स्वभाव में क्लेश व आशान्ति, विन्नम भय, उद्विघ्नता अवश्य बनेंगी।

कुंभ- कार्यगति अनुकूल, चिन्ताएँ कम होगी, सफलता के साधन अवश्य बनेंगे।

मीन- आशानुकूल सफलता से हर्ष होगा, इष्टमित्रों का सर्मथन फलप्रद होगा।

जैतून और टी ट्री ऑयल का जादुई नुस्खा, कान दर्द-खुजली को कहें अलविदा!

अक्सर कानों में घंटों तक इयरफोन लगाने से या फिर लंबे-लंबे समय तक फोन पर बातें करने से कानों में दर्द या खुजली की समस्या बढ़ जाती है। कई बार गंदे हाथ लगाने से इन्फेक्शन की समस्या उत्पन्न हो जाती है। अगर आप जैतून का तेल और टी ट्री ऑयल का इस्तेमाल करने से कान दर्द या खुजली की समस्या हो सकती है। इस उपाय के करने से आपके कानों को आराम मिलेगा दर्द और खुजली की हो जाएगी छुट्टी।

जैतून का तेल % जैतून के तेल में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद हो जाते हैं। यह तेल सूजन को कम करने में मददगार साबित होता है। आप जैतून के तेल को एक छोटी-सी कटोरी में लेकर हल्का गुनगुना करने के लिए इसे गैस पर ना रखें बल्कि गर्म पानी में कुछ देर के लिए जैतून तेल को बॉटल समेत रख दें। यह गुनगुना हो जाएगा। अब आप तेल की 2-3 बूंदें कानों में ड्रॉपर की मदद से डालें। कान में तेल डालने के बाद आप 5 से 10 मिनट के लिए लेटे रहें ताकि तेल अच्छे से कानों के अंदर पहुंच जाए। 10 मिनट बाद दूसरे कान तेल डाल दें।

टी ट्री ऑयल : टी ट्री ऑयल में एंटीफंगल, एंटीसेप्टिक और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। इस ऑयल के इस्तेमाल से कान में आई सूजन को कम करता है। इस बात का ध्यान रखें कि टी ट्री ऑयल काफी तेज होता है, इस तेल को किसी अन्य तेल के साथ मिलाकर ही इस्तेमाल करें। आप चाहे तो इसे बादाम का तेल या फिर जैतून के तेल को हल्का गुनगुना करके इसमें 2 या 3 बूंद टी ट्री ऑयल मिला लें। मिश्रण को मिक्स करके कलाई पर पहले पैच टेस्ट कर लें ताकि कोई एलर्जी की समस्या तो नहीं हो रही है। इसके बाद आप ड्रॉपर की मदद से कान में डालें। कान में तेल डालने के बाद आप 5 से 10 मिनट के लिए लेटे रहें ताकि तेल अच्छे से कानों के अंदर पहुंच जाए। 10 मिनट बाद दूसरे कान तेल डाल दें।

जरुरी सावधानी बरतें

- आपके कान में दर्द या खुजली 48 घंटे से ज्यादा हो रही है तो इसके पीछे कोई अन्य कारण भी हो सकते हैं। ऐसे में आप एक्सपर्ट की सलाह जरुर लें।
- इस बात का ध्यान रखें कि तेल को तेज गर्म नहीं करना है। जिससे कान में अंदरुनी हिस्सों को नुकसान पहुंच सकता है।
- भूलकर भी टी ट्री ऑयल को सीधा कानों में न डालें। इसके कारण आपको जलन भी हो सकती है।
- कान का मैल निकालने के लिए किसी नुकीली चीज का इस्तेमाल न करें। ऐसा करने से दर्द का कारण बन जाता है।

विश्व आयोडीन अल्पता दिवस: टाटा साल्ट ने शुरू की आयोडीन जागरूकता की मुहिम

टाटा साल्ट ने विश्व आयोडीन अल्पता दिवस से पहले जागरूकता अभियान को दी रफ्तार

मुंबई। देश के आयोडीन युक्त नमक के सर्वश्रेष्ठ ब्रांड, टाटा साल्ट ने इस साल विश्व आयोडीन अल्पता दिवस (डब्ल्यूआईडीडी-वर्ल्ड आयोडीन डेफिशियेंसी डे) के मौके पर, देश भर के बच्चों में आयोडीन की कमी से पैदा होने वाले विकारों (आईडीडी) से निपटने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। देश के पहले ब्रांडेड आयोडीन युक्त नमक के रूप में, टाटा साल्ट आयोडीन के बारे में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। आयोडीन विशेष रूप से प्रारंभिक बचपन के दौरान मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण सूक्ष्म पोषक तत्व है।

आयोडीन युक्त नमक केवल सरकार द्वारा अनिवार्य किया गया आयोडीन युक्त पदार्थ से कहीं अधिक है जो हमारी रसोई में पाया जाता है। यह हमारे भोजन का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ कई तरीके से हमारे स्वास्थ्य में भी योगदान देता है। नमक का उपयोग व्यापक रूप से होता है, इसलिए यह सार्वभौमिक नमक आयोडीनीकरण (यूएसआई ह्न यूनिवर्सल सॉल्ट आयोडाइजेशन) कार्यक्रम के जरिये आयोडीन के मिश्रण का सबसे आम माध्यम बन गया है। यह आयोडीन अल्पता विकार (आईडीडी) को रोकने में सहायक रहा है। दशकों से, यह दुनिया भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों का मुख्य आधार रहा है। यह आयोडीन की कमी से होने वाले विकार (आईडीडी) और आयोडीन की कमी से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले खतरनाक असर को दूर करता है। भारत काफी हद तक आईडीडी से जुड़ी परेशानी को दूर करने में कामयाब रहा है। भारत आयोडीन सर्वेक्षण 2018-19 के अनुसार, लगभग 76.3% परिवार पर्याप्त मात्रा में आयोडीन युक्त नमक का सेवन करते हैं, जिसमें कम से कम 15 भाग प्रति मिलियन (पीपीएम) आयोडीन होता है। हालांकि, सर्वेक्षण में जागरूकता की कमी भी सामने आई क्योंकि केवल 22.4 प्रतिशत लोगों को ही आयोडीन युक्त नमक के सेवन के लाभों के बारे में उचित जानकारी थी और 61.4 प्रतिशत लोग इस बात से अच्छी तरह वाकिफ थे कि उपयुक्त मात्रा में आयोडीन के सेवन से घेंघा रोग से बचाव होता है।टाटा नमक ने अपने ऑडियो अभियान 'नमक हो टाटा का... टाटा नमक' का विस्तार किया है और देश के दूर-दराज इलाकों तक अपनी पहुंच बनाई है। डिजिटल साधनों और टेलीविजन पर अपनी सफल उपस्थिति के बाद, यह ब्रांड अब प्रमुख परिवहन केंद्रों पर इस प्रचार अभियान का बार-बार प्रसारण कर देश कर ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में भी विस्तार कर रहा है। सांस्कृतिक रूप से जाने-पहचाने और राष्ट्रीय उद्देश्य पर आधारित, यह अभियान पर्याप्त आयोडीन सेवन के महत्व के बारे में बताता है जिससे बच्चों का बौद्धिक विकास और परिणामतः, देश की दीर्घकालिक प्रगति प्रभावित हो सकती है।

यूपी का चमत्कारी पाटेश्वरी मंदिर, त्रेता युग से जल रही है अखंड धूनी

हिंदू धर्म में मां सती के 51 शक्तिपीठों को विशेष दर्जा प्राप्त है। मां सती के 51 शक्तिपीठ अलग-अलग जगह मौजूद हैं और इन शक्तिपीठों के निर्माण का कारण पुराणों में विस्तार से बताया गया है। इन 51 शक्तिपीठों में उत्तर प्रदेश का पाटेश्वरी देवी मंदिर भी शामिल है।

हिंदू धर्म में मां सती के 51 शक्तिपीठों को विशेष दर्जा प्राप्त है। मां सती के 51 शक्तिपीठ अलग-अलग जगह मौजूद हैं और इन शक्तिपीठों के निर्माण का कारण पुराणों में विस्तार से बताया गया है। इन 51 शक्तिपीठों में उत्तर प्रदेश का पाटेश्वरी देवी मंदिर भी शामिल है। यह स्थान सिद्ध शक्तिपीठ के साथ योगपीठ है। यह मंदिर तंत्र साधना के लिए भी प्रसिद्ध है और साधक यहां पर विशेष अनुष्ठान करते हैं। मंदिर के गर्भगृह में स्थित मां की मूर्ति स्वयंभू मानी जाती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मंदिर का इतिहास और महत्व के बारे में बताने जा रहे हैं।

आस्था का केंद्र है ये मंदिर

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक जहां अब पाटेश्वरी देवी

का मंदिर है। वहां पर मां सती का बायां कंधा और पट गिरा था। जिसका खास महत्व माना जाता है। मंदिर में मां पाटेश्वरी देवी की प्रतिमा भी विराजमान है। यह मंदिर उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में स्थित है, जोकि आज भी लोगों के बीच आस्था का केंद्र बना हुआ है।

आध्यात्मिक उन्नति

नवरात्रि के मौके पर मां पाटेश्वरी की विशेष पूजा की जाती है। ऐसे में इस दौरान अधिक संख्या में दूर-दूर से भक्त आते हैं। जो लोग मां की पिंडी के पास चावल की ढेरी बनाते हैं, जिसके बाद उसकी पूजा कर चावल को प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि जो भी भक्त मां पाटेश्वरी की सच्चे मन से पूजा करते हैं, उनको मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति की प्राप्ति होती है।

त्रेता युग से जल रही है धूनी

बता दें कि मां पाटेश्वरी देवी मंदिर में आज भी अखंड धूनी जल रही है। पौराणिक कथा के मुताबिक गुरु गोरक्षनाथ जी महाराज ने त्रेता युग के दौरान मां पाटेश्वरी को प्रसन्न करने के लिए ज्यादा तपस्या की थी। ऐसे में उन्होंने एक धूनी को प्रज्वलित किया था, जो आज भी जल रही है। मंदिर के गर्भ गृह में भक्तों को नियमों का पालन करना पड़ता है। वहीं जो लोग इस मंदिर के राख को अपने घर ले जाते हैं, जिससे जीवन के सभी तरह के कष्ट खत्म हो जाते हैं।

कुण्ड में स्नान से दूर होता है चर्म रोग

इस मंदिर में एक सूर्य कुण्ड भी है और धार्मिक मान्यता के मुताबिक महाभारत काल के दौरान कर्ण ने इस पवित्र स्थान पर स्नान किया था। फिर सूर्य देव को जल अर्पित किया था और इसी कारण से इस कुण्ड का नाम सूर्य कुण्ड पड़ा। इस कुंड में स्नान करने से चर्म रोगों से छुटकारा मिलता है।

शराब, सट्टा और रेत माफियाओं एवं अवैध मुरम का आतंक, प्रशासन बना मूकदर्शक.....

खैरा पलारी क्षेत्र में अवैध कारोबार बेलगाम

रेवांचल टाइम्स

फालोअप

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। केवलारी खैरा पलारी क्षेत्र के चारों ओर अवैध गतिविधियों का जाल लगातार फैलता जा रहा है, जिसमें अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री,एक का अस्सी बनाने वाले सटोरियो का सट्टा कारोबार, और रेत तस्करी शामिल हैं। इस पूरे मामले की गंभीरता को लेकर पूर्व में कई बार स्थानीय एवं क्षेत्रीय समाचार पत्रों में खबरें प्रकाशित हो चुकी हैं, फिर भी शासन-प्रशासन की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं होना चिंता का विषय बन गया है। अवैध कार्य काफी समय से जारी हैं और समय-समय पर मीडिया के माध्यम से इन मुद्दों को प्रकाश में लाया गया है। बावजूद इसके, प्रशासनिक अमला हर बार केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित रहा। ऐसा प्रतीत होता है मानो या तो प्रशासन इन माफियाओं के सामने असहाय हो चुका है या फिर कहीं न कहीं मिलीभगत का संदेह भी उत्पन्न हो रहा है।

शराब माफियाओं की खुलेआम बादशाहत

खैरा पलारी क्षेत्र के चारों ओर कच्ची और देशी शराब का कारोबार बेधड़क चल रहा है। कई अस्थाई भट्ठियों से शराब तैयार कर क्षेत्र में ही खपाई जा रही है, जिससे युवा वर्ग नशे की गिरफ्त में आ रहा है। नशे की लत से सामाजिक विघटन की स्थिति बनती जा रही है, जिसकी चपेट में कई परिवार आ चुके हैं। एवं अपना अस्तित्व खो चुके हैं।

सटोरिया का व्यापार सट्टा झ गांव-गली तक फैला नेटवर्क

खैरा पलारी क्षेत्र के चारों ओर जन चर्चा है कि सट्टा कारोबारियों का जाल इस कदर फैल चुका है कि अब गांव की गलियों और नुक्कड़ों पर भी इनके एजेंट देखे जा सकते हैं। एक का अस्सी वाले सटोरिया सट्टे में खासकर बेरोजगार और गरीब तबके के लोग फंस रहे हैं, जो जल्दी कमाई के चक्कर में बर्बाद हो रहे हैं।

रेत माफियाओं का दुस्साहस नदियों का सीना छलनी

रेत का अवैध खनन तो जैसे प्रशासन की नाक के नीचे खुलेआम चुनौती बन चुका है। भारी वाहनों से रात के अंधेरे में ही नहीं, दिनदहाड़े भी रेत की ढुलाई की जा रही है। इससे जहां पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, वहीं ग्रामीण सड़कों की हालत बद से बदतर हो गई है।

जहां मन किया वहां से निकाल रहे हैं अवैध मुरम

अवैध कारोबारी के इतने हौसले बुलंद है की दिनदहाड़े जहां मन किया वहां से निकल रहे हैं अवैध मुरम वही कुछ सत्ताधारी एवं जनप्रतिनिधि राजनेताओं के संरक्षण में अवैध मुरम का कारोबार जोरों से है वहीं पंचायत के जनप्रतिनिधियों का भी संरक्षण भरपूर मिल रहा है। जिसके चलते पंचायत द्वारा तालाबों को बना कर रहे हैं खदानों में तब्दील।

प्रशासन की निष्क्रियता पर उठ रहे सवाल

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह पूरा मामला शासन और प्रशासन दोनों के संज्ञान में पूर्व से ही है। इसके बावजूद अब तक न तो किसी बड़े रैकेट पर हाथ डाला गया है, न ही कोई सख्त कार्रवाई देखने को मिली है। स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि शिकायत करने पर उल्टा उन्हें ही धमकियां मिलती हैं।

जनता में आक्रोश, मांग सख्त कार्रवाई की

गांव के जागरूक नागरिकों एवं समाजसेवियों ने अब यह ठाना है कि वे इस मुद्दे को जन आंदोलन का रूप देंगे। इनका कहना है कि यदि प्रशासन ने शीघ्र कठोर कदम नहीं उठाए, तो वे जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव कर चरणबद्ध आंदोलन की राह पकड़ेंगे खैरा पलारी की स्थिति प्रशासन के लिए एक चेतावनी है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो यह क्षेत्र अपराध का अड्डा बन सकता है। शासन को चाहिए कि इस मुद्दे पर तुरंत हस्तक्षेप कर जिम्मेदार अधिकारियों से जवाबदेही तय करे और दोषियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जबलपुर लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई....

सिवनी और बालाघाट के बाद अब केवलारी थाने में रिश्वतखोरी का बड़ा मामला उजागर

वर्दी और मानवता को शर्मसार करता प्रधान आरक्षक मनीष पटवा 75,000 की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स, सिवनी। प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही मुहिम के तहत लोकायुक्त संगठन द्वारा एक और बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। जबलपुर लोकायुक्त पुलिस ने सिवनी जिले के केवलारी थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक मनीष कुमार पटवा को 75,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 16 अक्टूबर 2025, गुरुवार को लोकायुक्त की विशेष टीम द्वारा योजनाबद्ध तरीके से की गई।

ये है मामला

आवेदक नितिन पाटकर, निवासी ग्राम आदेगांव, तहसील लखनादौन, जिला सिवनी एक सिविल ठेकेदार हैं, जिन्होंने नगर परिषद केवलारी में सीसी रोड और नाली निर्माण का ठेका लिया था। उन्होंने यह कार्य राय कंस्ट्रक्शन के राहुल राय को सौंपा, जिसने कथित रूप से घटिया निर्माण कार्य कर धोखाधड़ी की। इस संबंध में नितिन पाटकर ने दिनांक 8 अक्टूबर 2025 को केवलारी थाना में शिकायत दर्ज करवाई थी। लेकिन इस शिकायत पर FIR दर्ज करने के एवज में केवलारी थाने के प्रधान आरक्षक मनीष पटवा द्वारा ?5 लाख की रिश्वत की मांग की गई। आवेदक से पहले ही 25,000 की पहली किश्त वसूल ली गई थी। द्वितीय किश्त के रूप में 75,000 लेते समय आज लोकायुक्त की टीम ने थाना केवलारी परिसर में मनीष पटवा को रंगे हाथों धर दबोचा।

कार्यवाही का कानूनी आधार

आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन 2018) की धारा 7, 13(1)(इ), एवं 13(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ट्रैप टीम का नेतृत्व...

इस ट्रैप कार्रवाई का नेतृत्व लोकायुक्त निरीक्षक उमा कुशवाहा ने किया, उनके साथ निरीक्षक राहुल गजभिए, जितेंद्र यादव और बृजकिशोर नरवरिया सहित जबलपुर लोकायुक्त की टीम मौजूद रही। **भ्रष्टाचार के बढ़ते मामलों से पुलिस विभाग सवालों के घेरे में**- यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी सिवनी और बालाघाट जिलों में ऐसे ही भ्रष्टाचार के मामले उजागर हो चुके हैं। अब केवलारी थाना भी भ्रष्टाचार की चपेट में आ गया है, जिससे पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। **स्थानीय लोगों में आक्रोश, सख्त कार्रवाई की मांग**- इस पूरे घटनाक्रम के बाद स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। जनता ने इस गिरफ्तारी का स्वागत करते हुए दोषियों पर त्वरित और कठोर कार्रवाई की मांग की है। **पुलिस महानिदेशक (लोकायुक्त) योगेश देशमुख के निर्देशन में हुई कार्रवाई....**- यह कार्रवाई पुलिस महानिदेशक (लोकायुक्त) योगेश देशमुख के निर्देश पर की गई है, जिन्होंने प्रदेश भर में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रवैया अपनाने का स्पष्ट संदेश दिया है। केवलारी थाना में सामने आया यह मामला न सिर्फ एक व्यक्ति विशेष की गिरफ़्तारी तक सीमित है, बल्कि यह संपूर्ण पुलिस विभाग की कार्यशैली और जवाबदेही पर भी बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। ऐसे मामलों में लगातार हो रही लोकायुक्त की कार्रवाई से उम्मीद जगी है कि प्रशासनिक प्रणाली को स्वच्छ और पारदर्शी बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

भावांतर योजना: ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। सोयाबीन खरीफ वर्ष 2025 (विपणन वर्ष 2025-26) में भावांतर भुगतान योजनांतर्गत किसान भाई ई-उपार्जन पोर्टल पर 17 अक्टूबर तक समर्थन मूल्य पर सोयाबीन की बिक्री हेतु पंजीयन करा सकते हैं। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने किसानों की सुविधा के मद्देनजर सहकारी विपणन मर्यादित कटनी,कृषि उपज मंडी को पंजीयन केंद्र निर्धारित किया है। किसान भाइयों से आग्रह किया गया है कि बिना देरी किए अपना पंजीयन अवश्य करा लेवें ।जबकि राज्य शासन द्वारा फसल विक्रय हेतु भावांतर अवधि 24 अक्टूबर 2025 से 25 जनवरी 2026 तक निर्धारित की गई है ।किसानों को भावांतर की राशि पंजीयन के समय दर्ज बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित की जाएगी।

भावांतर योजना, एक नजर में

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के अंतर्गत अधिसूचित तिलहनी फसल के लिए भावांतर योजना वर्ष 2018-19 से लागू की गई है। भारत सरकार ने घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तथा राज्य के मंडी के मॉडल भाव,विक्रय मूल्य अंतर की राशि कृषकों को दिलवाने का प्रावधान किया है। किसान पूर्व की तरह अपनी उपज मंडियों में बेचेंगे। एमएसपी और मंडी का मॉडल भाव,विक्रय मूल्य के बीच के अंतर की राशि का किसान को डीबीटी से भुगतान किया जायेगा। किसान द्वारा ई-पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य होगा। उदाहरण के लिए किसान का उत्पादन मॉडल भाव 4600 रूपए पर हुआ है तो समर्थन मूल्य 5328 में से शेष अर्थात भावांतर राशि 628 रूपए प्रति क्विंटल राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए जाएंगे। किसान को समर्थन मूल्य बराबर ही राशि प्राप्त होगी। यदि किसान की उपज का विक्रय मूल्य एमएसपी से कम है परंतु राज्य के औसत मॉडल प्राइज के समतुल्य है, ऐसी स्थिति में भी किसान को एमएसपी और बिक्री मूल्य के भावांतर की राशि प्रदान की जाएगी। तीसरी स्थिति में कृषि उपज का विक्रय मूल्य राज्य के औसम मॉडल प्राइस से कम होने की दिशा में किसान को एमएसपी और घोषित औसत मॉडल प्राइस के भावांतर की राशि प्रदान की जाएगी।

जनपद सीईओ कटनी श्री सिंह गए घनघरी खुर्द और ढीमरखेड़ा सीईओ श्री कोरी पहुंचे उमरिया पान

जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर के निर्देश पर जनपद पंचायतों के सीईओ कर रहे ग्राम पंचायतों में संचालित योजनाओं की प्रगति का आकलन

दैनिक रेवांचल टाईम्स, ढीमरखेड़ा। जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर द्वारा विभागीय योजनाओं में प्रगति लाने हेतु दिए गए निदेर्शों को फलीभूत करने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों द्वारा ग्राम पंचायतों में पहुंचकर वस्तुस्थिति का आकलन कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं। गुरुवार को जनपद पंचायत कटनी के सीईओ श्री प्रदीप सिंह ने ग्राम पंचायत घनघरी खुर्द पहुंचकर प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, समग्र ई केवाईसी, विभिन्न योजनाओं और मद से स्वीकृत निर्माण एवं विकास कार्यों का निरीक्षण कर नब्ज टटोली। उन्होंने ग्राम पंचायत सचिव और रोजगार सहायक को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ अपूर्ण कार्यों को पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जनपद सीईओ श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास पूर्णता एवं स्वीकृत हितग्राहियों द्वारा कराए गए कार्य की प्रगति के आधार पर किश्त जारी करने की कार्यवाही अविलंब करें। इस दौरान ग्राम पंचायत के सचिव और रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

सेक्टर उमरिया पान और धरवारा की बैठक

जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के सीईओ श्री यजुवेंद्र कोरी ने बुधवार को सेक्टर उमरिया पान एवं धरवारा से सम्बद्ध ग्राम पंचायतों के सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों की समीक्षा बैठक ग्राम पंचायत उमरिया पान के सभा कक्ष में की। श्री कोरी में ग्राम पंचायत एवं योजना वार आवास पूर्णता, समग्र ई केवाईसी, स्वीकृत निर्माण कार्यों सीएम हेल्पलाइन एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों का संतुष्टि पूर्ण निराकरण एवम् तथ्यात्मक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश अधिकारियो और ग्राम पंचायतों को दिए। इसबी दौरान सहायक यंत्री अजय केसरवानी एवं विभिन्न योजनाओं के प्रभारी, सेक्टर से संबंधित ग्राम पंचायतों के सचिव और ग्राम रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

के सचिव और रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय लोक नृत्य व रोल प्ले प्रतियोगिता आयोजित

सिवनी। राज्य स्तरीय लोक नृत्य व रोल प्ले प्रतियोगिता दिनांक 14,15 अक्टूम्बर 2025 को डाइट खंडवा में आयोजितकी गई जिसमे सिवनी जिला का राज्य स्तर पर मार्गदर्शक शिक्षक श्री नंदकिशोर गौतम(माध्य. शिक्षक) व श्री अजय भरदूवाज (प्र.पा.) के मार्गदर्शन में शास. उच्च. माध्य. विद्यालय बकोडी के 9 छात्रा अंबिका साहू, वैशाली चौरसिया, आरती मालधे, दिव्यानशी रामटेके, खुशी टेमरे, हिमांशी टेमरे, पावनी चौधरी, ओनिशा चौधरी, महिमा शेन्डे ने सहभागिता कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में लोक नृत्य में 7३ँ वा और रोल प्ले में 6३ँ वा स्थान प्राप्त कर सिवनी जिला का नाम राज्य स्तर पर गौरांवित किया इस सफलता पर जिले के सभी शुभ चिंतकों ने मार्गदर्शक शिक्षक व बच्चो को बधाई व शुभकामनाएँ प्रेषित किया।

कलेक्टर ने ढीमरखेड़ा के विकास एवं निर्माण कार्यों की मैदानी हकीकत का लिया जायजा

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने गुरूवार को विकासखंड ढीमरखेड़ा क्षेत्र का दौरा किया। यहां उन्होंने क्षेत्र में हो रहे विभिन्न निमार्णाधीन कार्यों सहित ढीमरखेड़ा तहसील कार्यालय एवं एसडीएम कार्यालय का भी औचक निरीक्षण किया और अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम निधि सिंह गोहल भी मौजूद रहीं।

निमार्णाधीन कार्यों का निरीक्षण- कलेक्टर श्री आशीष तिवारी अपने भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत सिमरिया और ढीमरखेड़ा में निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया और कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और तय समय-सीमा के भीतर पूरा कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्री तिवारी ने ग्राम पंचायत सिमरिया में करीब 20 लाख रुपए की लागत से अधोसंरचना मद से निमार्णाधीन पंचायत भवन का निरीक्षण किया और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये सहायक यंत्री अजय केशरवानी को निर्देशित किया। कलेक्टर ने ढीमरखेड़ा तहसील कार्यालय परिसर में करीब 1 करोड़ 31 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित एसडीएम कार्यालय भवन का भी अवलोकन किया। उन्होंने मौके पर मौजूद परियोजना क्रियान्वयन इकाई के सहायक यंत्री को तय मानकों और ड्राइंग डिजाइन के अनुरूप एवं फर्निसिंग व पेयजल की व्यवस्था के निर्देश दिए।

ढीमरखेड़ा के तहसील कार्यालय का निरीक्षण- कलेक्टर श्री तिवारी ने ढीमरखेड़ा में तहसील कार्यालय एवं एसडीएम कार्यालय का भी निरीक्षण किया और यहां राजस्व अधिकारियों को राजस्व प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने की हिदायत दी। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ढीमरखेड़ा निधि सिंह गोहल, तहसीलदार द्वय आकांक्षा चौरसिया एवं नितिन पटेल मौजूद रहे। कलेक्टर ने तहसील भवन के निर्वाचन कक्ष, कम्प्यूटर कक्ष एवं न्यायालयीन कक्षों का भी निरीक्षण किया और रीडर्स से प्रकरणों के निराकरण की प्रक्रियात्मक जानकारी प्राप्त की।

रपटा कम काजवे स्टाप डैम का निरीक्षण- कलेक्टर श्री तिवारी ने ग्राम भमका मे बेलकुंड नदी पर मनरेगा योजनांतर्गत करीब 90 लाख रुपए की लागत से निमार्णाधीन रपटा कम काजवे स्टाप डैम का भी अवलोकन किया और इसे शीघ्र पूर्ण करने आरईएस के कार्यपालन यंत्री गौरीशंकर खटिक को निर्देशित किया। **कलेक्टर ने जताई नाराजगी**- कलेक्टर श्री तिवारी ने सिलौड़ी में कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास सिलौड़ी का औचक निरीक्षण किया। इसके बाद कलेक्टर ने उप तहसील सिलौड़ी और आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सिलौड़ी का भी अवलोकन किया और यहां फर्श में पानी की सीलन और मिट्टी-रेत पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने उप तहसील कार्यालय के निरीक्षण में न्यायालयीन मामलों के प्रकरणों की जानकारी पटवारीवार नहीं मंगाये जाने पर भी नायाब तहसीलदार के प्रति अप्रसन्नता व्यक्त की।

संगठन को मजबूत करने पर हुआ जोर, कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह और एकता का संदेश

भाजपा जिला संगठन प्रभारी एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अरुण द्विवेदी का पूर्व पार्षद अलकेश रजक के निवास पर हुआ आत्मीय स्वागत

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं सिवनी भाजपा के जिला संगठन प्रभारी अरुण द्विवेदी का नगर प्रवास के दौरान भाजपा नगर उपाध्यक्ष, पूर्व पार्षद एवं सभापति अलकेश रजक के निवास पर पहुंचने पर कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य और आत्मीय स्वागत किया गया। अलकेश रजक एवं उपस्थित कार्यकर्ताओं ने पुष्पमालाओं, शाल और श्रीफल भेंट कर द्विवेदी का अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष लालमणि (लालू) राय, जिला मंत्री संजीव मिश्रा, पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष संजय (पप्पू) सोनी, पूर्व नगर मंडल महामंत्री अनूप मिश्रा, पूर्व नगर मंत्री पंकज बिसेन, पत्रकार राकेश मालवीय, सोशल मीडिया प्रभारी सत्यम सूर्यवंशी, वीरू तिवारी, अंकुर सनोडिया, जितेंद्र (जित्तू) मालवीय, धर्मेंद्र (सोनू) पटेल, नरेश गहलोत सहित वार्ड के अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर संगठन की मजबूती और आगामी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। अरुण द्विवेदी ने कहा कि भाजपा की असली शक्ति उसका कार्यकर्ता है, जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाएं पहुंचाने का काम करता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को संगठनात्मक एकता बनाए रखते हुए पार्टी की विचारधारा और जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना चाहिए। द्विवेदी ने यह भी कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं जनसामान्य तक तभी प्रभावी रूप से पहुंचेंगी जब हर कार्यकर्ता जिम्मेदारी से काम करेगा। उन्होंने सभी कार्यकताओं से बूथ स्तर तक सक्रिय रहकर जनता के बीच संवाद बढ़ाने का आह्वान किया। अंत में अलकेश रजक ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अरुण द्विवेदी जैसे ऊजार्वान नेताओं का मार्गदर्शन संगठन के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि यह मुलाकात संगठनात्मक एकता और टीम भावना को और मजबूत करने का प्रतीक है। कार्यक्रम का माहौल पूरे समय उत्साह, सौहार्द और आत्मीयता से परिपूर्ण रहा।

दैनिक रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक
डिंडोरी जिले में जिला ब्यूरो नियुक्त करना है और सभी ब्लॉक स्तर पर एजेंसी देना है पत्रकारिता के क्षेत्र में रुचि रखने वाले संपर्क करें
संवाददाता भी नियुक्त करना है
प्रबंध संपादक
अतुल कुमार
7415685293
7509202320
प्रधान कार्यालय
आदि प्लाजा की पीछे, फ्लैट न. 03
सी ब्लॉक, शताब्दीपुरम MR-4 रोड उखरी
जबलपुर म.प्र.

स्कूल के बच्चों के बीच बैठे कलेक्टर

कटनी। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी का शासकीय प्राथमिक शाला बम्हनी स्कूल का निरीक्षण खास बन गया। जब वह अकस्मात शिक्षक की भूमिका में आ गये और उन्होंने कक्षा 1, 2 एवं 3 के छात्रों की कक्षा में खुद उनके साथ बैठकर गिनती सुनी। कलेक्टर श्री तिवारी ने छात्रा राधिका और छात्र इंदल काछी के पास बैठकर छात्रों से अब तक क्या कुछ पढ़ा है इसके बारे में छात्रों से बातचीत किया। उन्होंने छात्रों से 32 और 34 के बीच की संख्या और 45 से 48 के बीच की संख्या बताने के लिये कहा, जिस पर छात्रा अनुष्का और दीपिका ने सही जवाब बताया। इस पर कलेक्टर ने छात्रों को शाबाशी दी और वेरी गुड कहा। फन एण्ड लर्न नोटबुक के माध्यम से छात्रों को उनके पास बैठकर स्वयं अभ्यास कराया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बच्चों से दो का पहाड़ा सुनाने के लिये कहा जिस पर छात्रा सृष्टि ने बिना अटके 2 का पहाड़ा सुनाया। कलेक्टर ने बच्चों से पूछा कि आज खाने में क्या मिलेगा। इस पर सभी छात्रों ने कहा कि मीनू में आज कढ़ी-चावल रहता है। कलेक्टर ने शासकीय प्राथमिक शाला बम्हनी स्कूल के बच्चों को बैठने के लिए जिला खनिज प्रतिष्ठान मद से बेंच उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिये।

छिंदवाड़ा में आशीर्वाद मेडिकल स्टोर का ड्रग लाइसेंस निरस्त

जहरीले सिरप कांड पर कार्रवाई; कोल्ड्रिफ सिरप बेचने का रिकॉर्ड नहीं मिलने पर सख्ती

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा के जहरीले सिरप मामले में कार्रवाई का सिलसिला जारी है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन, भोपाल के निर्देश पर गठित औषधि निरीक्षकों के विशेष जांच दल ने गुरुवार को छिंदवाड़ा जिले में सघन जांच करते हुए आशीर्वाद मेडिकल स्टोर, छोटी बाजार छिंदवाड़ा का ड्रग लाइसेंस निरस्त कर दिया। जांच दल ने पूर्व में दुकान का निरीक्षण किया था, जिसमें औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 तथा नियमावली 1945 के तहत अनियमितताएं पाई गई थीं। निरीक्षण के दौरान संचालक द्वारा मिलावटी औषधि से संबंधित विक्रय रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं किया गया था। इस गंभीर लापरवाही के चलते दुकान को तत्काल सील बंद किया गया था। बाद में फर्म संचालक द्वारा कारण बताओ नोटिस का जवाब दिया गया, लेकिन विभाग ने उसे असंतोषजनक पाया। इसके बाद विभाग ने आशीर्वाद मेडिकल स्टोर का ड्रग लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। आदेश की प्रति दुकान पर चस्पा कर दी गई है।

अपने कार्यों से दूसरों की जिंदगी को बेहतर बनाने में ही सफलता : राज्यपाल श्री पटेल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने दी दीपावली की शुभकामनाएं और सौगात

राजभवन में मनाया गया दीपावली समारोह

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि अपने कार्यों से दूसरों की जिंदगी को बेहतर बनाने में ही कार्य की सफलता है। उन्होंने सफाई मित्रों का दृष्टांत देते हुए कहा कि वह सुबह सवेरे सबसे पहले उठकर हमारे आस-पास का वातावरण स्वच्छ बनाते है ताकि हम सबको दिनभर स्वच्छ और सुखद वातावरण मिले। राज्यपाल श्री पटेल बुधवार को राजभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित दीपावली शुभकामना समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने समारोह में भोपाल, पचमढ़ी राजभवन के सभी अधिकारी-कर्मचारियों के साथ राजभवन में स्थित डाक घर, बैंक एवं अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों को उपहार भेंट किये। कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव भी मंचासीन थे। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि मानव का जीवन एक बार ही मिलता है। कर्मों का फल इसी जीवन में मिलता है। प्रकृति से अच्छी और बुरी दोनों वृत्तियां मानव को मिलती है। उन्होंने कहा कि जीवन में स्थायी आनंद और सच्चा सुख संतोष मेहनत और योग्यता से ही मिलता है। व्यक्ति के नसीब में जो है वह उसको मिलता ही है। दूसरों की उन्नति से ईष्या के भाव से जीवन के सारे सुख और संतोष का आनंद खत्म हो जाता है इसलिए व्यक्ति को स्वयं ही अपनी गलत प्रवृत्तियों को नियंत्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अक्टूबर का महीना उत्सवों का और आत्म शुद्धि का प्रसंग है। पहले नवरात्र उसके बाद विजयादशमी का पर्व हमें अपने अंदर के दुर्गणों का अंत करने का अवसर देता है। दीपावली का पर्व भी नये उत्साह और ऊर्जा के साथ जीवन के नव आरम्भ का प्रसंग है। यह दूसरों की गलतियों और कमियों को भूलकर प्रेम और पारस्परिक सदभाव को बढ़ाने का अवसर है। उन्होंने सभी को दीपावली की बधाई और सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दी। ईश्वर से प्रार्थना की है कि हर दिन सबके जीवन में खुशिया लाएं। कार्यक्रम का संचालन नियंत्रक हाउस होल्ड शिल्पी दिवाकर ने किया।

रायसेन में फर्जी पट्टाकांड :प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर तीन आरोपी गिरफ्तार

` रायसेन। रायसेन में जमीन के फर्जी पट्टों का बड़ा मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी प्रधानमंत्री आवास योजना का फायदा दिलाने के नाम पर लोगों से पैसे लेकर फर्जी पट्टे बनाते थे। हर पट्टे के लिए वे आवेदकों से 15-15 हजार रुपये वसूलते थे। एसपी पंकज कुमार पांडे ने बताया कि आरोपियों ने तहसीलदार और नायब तहसीलदार की नकली सील और हस्ताक्षर लगाकर पट्टे तैयार किए थे। बाद में ये पट्टे नगर पालिका में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जमा कराए जाते थे। सबसे ज्यादा फर्जी पट्टे वार्ड नंबर 4 और 14 में मिले हैं।

ये तीन आरोपी हुए गिरफ्तार : कुछ लोगों ने सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत की थी कि उन्हें दिए गए पट्टे फर्जी हैं। इसके बाद एसडीओपी प्रतिभा शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम बनाई गई। जांच के दौरान तीन आरोपी – अमान खान (26), नोमान खान (30) और रामकृष्ण उर्फ रामू सेन (45) – को गिरफ्तार किया गया। बताया जा रहा है कि इस गिरोह ने करीब 100 से ज्यादा फर्जी पट्टे बनाए थे और यह काम पिछले छह महीने से चल रहा था। एसपी ने कहा कि मामले की जांच जारी है और इसमें और भी लोगों के शामिल होने की संभावना है। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि अगर किसी ने इस गिरोह को पैसे देकर फर्जी पट्टा बनवाया है, तो वह खुद पुलिस के पास आकर जानकारी दे। अन्यथा, जांच में नाम आने पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी, क्योंकि सरकारी योजना का लाभ पाने के लिए फर्जी दस्तावेज बनवाना अपराध है।

3 पुलिसकर्मियों ने पुलिसवालों के नाम पर ठगे 15 लाख

25 सहकर्मियों के फर्जी मेडिकल बिल लगाकर अपने खाते में डलवाई रकम, FIR के बाद भागे

राजीव पंद्रे, आरोपी मालखाना इंचार्ज

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय में मेडिकल शाखा के अधिकारियों ने फर्जी बिल बनाकर 15 लाख रुपए हड़प लिए। आरोपियों में प्रभारी- अरक हर्ष वानखेड़े, कैशियर- सूबेदार नीरज कुमार और सहायक स्टाफ- हेड कॉन्स्टेबल राजपाल ठाकुर शामिल हैं। एफआईआर दर्ज होते ही तीनों फरार हो गए हैं। घोटाला पीटीआरआई (पुलिस ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट) के 25 कर्मचारियों के नाम पर अंजाम दिया गया।

फर्जी मेडिकल बिल लगाकर हड़पी राशि : टीआई सीबी राठौर ने बताया कि पीटीआरआई के कर्मचारियों ने फरवरी 2025 में आवेदन देकर मामले की जानकारी सीनियर अफसरों को दी थी। जांच में खुलासा हुआ कि अरकहर्ष वानखेड़े, सूबेदार नीरज कुमार और हेड कॉन्स्टेबल राजपाल ठाकुर ने 2023 से जुलाई 2025 के बीच फर्जी मेडिकल बिल पास कर सरकारी राशि अपने बैंक खातों में ट्रांसफर कराई है। डीएसपी ओपी मिश्रा ने कार्रवाई के लिए प्रतिवेदन मंगलवार को सौंपा था। इसके आधार पर बुधवार को जहांगीराबाद पुलिस ने कूट रचित दस्तावेज और धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया। बता दें कि फरवरी महीने में ही तीनों आरोपियों को सस्पेंड कर दिया गया था।

कॉल कर राशि अपने खाते में डलवाते थे : जांच में पता चला है कि आरोपी पहले पीटीआरआई कर्मचारियों के नाम से मेडिकल बिल पास कराते थे। इसकी राशि कर्मचारियों के बैंक खातों में ही जमा होती थी। इसके तुरंत बाद आरोपियों में से एक नीरज कुमार, पीटीआरआई कर्मचारियों को कॉल कर बताता था कि मेडिकल शाखा की गलती से ये राशि आपके बैंक खाते में पहुंच गई है। ये झांसा देकर आरोपी अपने खातों में रकम ट्रांसफर करा लेते थे। नीरज ने कुछ ही दिनों में एक-एक करके कई कर्मचारियों को कॉल किया। इस पर उनको शक हुआ, जिसके बाद वे सीनियर अफसर के पास शिकायत करने पहुंचे।

रिश्तेदारों के नाम पर हड़पे थे 76 लाख : आरोपियों के खिलाफ इसी साल फरवरी महीने में भी एक एफआईआर दर्ज हुई थी। तब पीएचक्यू की गोपनीय जांच में खुलासा हुआ था कि लेखा शाखा में पदस्थ रहने के दौरान तीनों पुलिसकर्मियों ने कूट रचित दस्तावेजों को तैयार कर 76 लाख की धोखाधड़ी की थी। तीनों ने अपने और परिजन के नाम पर फर्जी मेडिकल बिल तैयार किए और भुगतान करा लिए।

मप्र के दस बाघ जाएंगे ओडिशा, राजस्थान और छत्तीसगढ़

भोपाल। मध्यप्रदेश के टाइगर रिजर्व में स्वच्छंद विचरण कर रहे दस नर और मादा बाघ ओडिशा, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के जंगलों में भेजे जाएंगे। पंद्रह दिन पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की बैठक में इसकी सहमति दिए जाने के बाद वन विभाग ने इसकी कवायद तेज कर दी है। मध्यप्रदेश के वाइल्ड लाइफ पीसीसीएफ शुभरंजन सेन ने इसको लेकर इन तीनों ही राज्यों को चिट्ठी लिखी है और टाइगर शिफ्टिंग की तैयारियां पूरी करने को कहा है। वन विभाग के पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ शुभरंजन सेन ने उड़ीसा, राजस्थान और छत्तीसगढ़ को भेजे पत्र में कहा है कि वे अपने यहां एमपी से ट्रांसलोकेट किए जाने वाले नर और मादा टाइगर के लिए बाड़ा बनाने, बाघों की ट्रेकिंग और मानिटरिंग के लिए रेडियो कॉलर लगाने और अन्य व्यवस्थाएं पूरी कर लें ताकि बाघों की शिफ्टिंग होने पर उन्हें अनुकूल और सुरक्षित वातावरण मिल सके। एमपी के दस बाघ कान्हा टाइगर रिजर्व, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व और पेंच टाइगर रिजर्व से इन राज्यों में भेजे जाएंगे। इनके लिए उचित रहवास का इंतजाम करना संबंधित राज्य के वन विभाग की जिम्मेदारी होगी।

इन राज्यों में जाएंगे इतने टाइगर तीन बाघ ओडिशा के देवरीगढ़ वन्य जीव अभयारण्य में शिफ्ट होंगे। इसमें एक नर बाघ और दो मादा बाघ शामिल होंगे।

राजस्थान में चार मादा टाइगर भेजे जाएंगे जिसमें रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में 3, मुकुंद्रा टाइगर रिजर्व में एक बाघ शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ के लिए तीन टाइगर भेजे जाना है जिसमें दो नर बाघ और एक मादा बाघ शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 27 सितंबर को राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की बैठक में कहा था कि दूसरे राज्यों को प्रदेश में उपलब्ध वन्य प्राणी अवश्य दें, परन्तु उनसे भी उनके यहां उपलब्ध वन्य प्राणी प्राप्त कर प्रदेश की वन विविधताओं को और अधिक समृद्ध करें।

आशा कार्यकताओं की फीकी दिवाली, मानदेय का 30% भुगतान

बैतूल। बैतूल जिले में आशा और ऊषा कार्यकताओं ने बुधवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने पिछले महीनों का मानदेय अधूरा मिलने और दिवाली से पहले केवल 30 प्रतिशत भुगतान होने पर गहरा असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर एक ज्ञापन भी सौंपा। संगठन की जिलाध्यक्ष शबाना शेख के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में बताया गया कि आशा कार्यकताओं को प्रतिमाह मात्र 6,000 रुपए प्रोत्साहन राशि दी जाती है। हालांकि, पिछले कई महीनों से यह भुगतान अधूरा है। दिवाली जैसे महत्वपूर्ण त्योहार से ठीक पहले भी उन्हें केवल लगभग 30 प्रतिशत राशि ही जारी की गई है, जिससे हजारों कार्यकताओं की दिवाली फीकी पड़ने की आशंका है।

पांढुर्णा में कुएं से मोटर, पाइप और केबल चोरी

पांढुर्णा, छिंदवाड़ा। पांढुर्णा में रबी सीजन के दौरान किसानों के खेतों से चोरी की घटनाएं बढ़ गई हैं। बोरखेड़ी के किसान रविंद्र वाडबुदे के खेत से बुधवार- गुरुवार की दरमियानी रात अज्ञात चोरों ने कुएं से मोटर, केबल, पाइप और अन्य कृषि उपकरण चुरा लिए। इस घटना से किसान को लगभग 30 हजार रुपए का नुकसान हुआ है। चोरी की यह वारदात देर रात करीब 1 बजे हुई। गुरुवार दोपहर को किसान रविंद्र वाडबुदे ने पांढुर्णा पुलिस थाने में इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। चोरी हुए सामान में कुएं की मोटर, केबल, पाइप और वॉल शामिल हैं। किसान ने बताया कि चोरी के कारण उन्हें अपनी फसल की सिंचाई करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस समय फसल को पानी की सख्त जरूरत है, और उपकरणों की कमी से सिंचाई कार्य बाधित हो गया है। यह पहली घटना नहीं है; तिगांव, मारूड, सिवनी, बड़चिचोली सहित कई अन्य गांवों में भी किसानों के खेतों से चोरी की वारदातें सामने आई हैं। पुलिस इन सभी मामलों की जांच में जुटी है और चोरों की तलाश कर रही है।

ओरछा में हो रहा दिव्य और भव्य श्रीराम राजा लोक का निर्माण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

ओरछा में हो रहे हैं 239 करोड़ रूपए से अधिक लागत के कई निर्माण कार्य : भगवान श्रीराम दिन ओरछा में बिताते हैं, केवल शयन के लिए जाते हैं अयोध्या

प्रदेश में ओरछा सहित हो रहा 18 लोकों का निर्माण

निवाड़ी प्रदेश का दूसरा जिला, जहां हर घर नल से पहुंच रहा है जल

पृथ्वीपुर में 3200 करोड़ रूपए से 300 हेक्टेयर में हो रही इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट की स्थापना

श्रीराम राजा लोक के निर्माण के दूसरे चरण के कार्यों का हुआ भूमिपूजन

मुख्यमंत्री ने 332.85 करोड़ के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन एवं लोकार्पण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि श्रीराम का नाम ही काफी है। यथा नाम तथा गुण। राम अपने गुणों से, अपने आचरण से, अपनी पितृभक्ति से और प्रजाजन का पालनहार बनकर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम बने। ओरछावासी बड़े ही भाग्यशाली हैं कि भगवान श्रीराम ने अपने दरबार के लिए ओरछा को चुना। ओरछा के लोगों को हर दिन अवधपति श्रीराम राजा सरकार के दरबार दर्शन का पुण्य मिलता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को निवाड़ी जिले के ओरछा में श्रीराम राजा लोक के दूसरे चरण के निर्माण कार्यों के भूमिपूजन सहित अन्य? विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूर्ण विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर श्रीराम राजा लोक में दूसरे चरण के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ओरछा के प्रमुख मंदिर पहुंचकर श्रीराम राजा सरकार के दरबार में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने श्रीराम राजा लोक के भव्य निर्माण के लिए पहले चरण में मंजूर एवं वर्तमान में निमार्णाधीन कार्यों का मौके पर जाकर अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ओरछा के साथ चित्रकूट में भी करीब 2200 करोड़ रूपए के निर्माण कार्य चल रहे हैं। श्रीराम वन गमन पथ और श्रीकृष्ण के लीला स्थलों को तीर्थ क्षेत्र बनाया जाएगा। इसके लिए सरकार ने राशि मंजूर कर दी है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश इलेक्ट्रानिक विकास निगम एवं एक एनजीओ के बीच करार की प्रक्रिया पूरी होने पर संस्था को लेटर ऑफ अवार्ड भी प्रदान किया।

निवाड़ी को नगर पालिका परिषद का दर्जा शीघ्र : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवाड़ी शहर को 'नगर पालिका परिषद' का दर्जा देने के लिए जल्द ही परीक्षण कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ओरछा को धार्मिक पर्यटन सहित एयर एम्बुलेंस एवं हेलीकॉप्टर सेवाओं से भी जोड़ा जाएगा। इसके लिए एयर स्ट्रीप बनाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने नेंदुआ के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का उन्नयन कर नया अस्पताल बनाने की घोषणा की। साथ ही क्षेत्रीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए नए सड़क मार्गों के निर्माण की भी घोषणा की गई।

332 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अयोध्या और ओरछा का 500 साल से अधिक पुराना नाता है। ओरछा के बुंदेला शासक मधुकर शाह की महारानी कुंवरि गणेश जो भगवान श्रीराम की उपासक थीं, 16वीं शताब्दी में भगवान श्रीराम को अयोध्या से लेकर ओरछा आई थीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ओरछा में जिस रूप में श्रीराम राजा पूजे जाते हैं, वैसे कहीं और नहीं पूजे जाते। उन्होंने ओरछा के विषय में बताया कि मयार्दा पुरूषोत्तम श्रीराम अपना दिन ओरछा में ही बिताते हैं, केवल शयन करने के लिए ही अयोध्या जाते हैं। उन्होंने कहा?कि आज निवाड़ी जिले को 332.85 करोड़ रुपए की लागत के 21 से अधिक विकास कार्यों की सौगात मिली है। क्षेत्रवासियों को नया सांदीपनि विद्यालय और नया शासकीय महाविद्यालय भी आज मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रभु श्रीराम की अनंत कृपा से हम ओरछा में एक दिव्य और भव्य श्रीराम राजा लोक का निर्माण कर रहे हैं। आज श्रीराम राजा लोक निर्माण के पहले चरण के 130 करोड़ रुपए की लागत वाले विभिन्न कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज ही श्रीराम राजा लोक के दूसरे चरण के लगभग 125 करोड़ रूपए की लागत वाले दूसरे चरण के निर्माण कार्यों की आधारशिला भी रखी जा रही है। साथ ही यहां के ऐतिहासिक स्मारकों के संरक्षण एवं पुरातात्विक परिसर का भूमिपूजन भी किया जा रहा है।

देशी-विदेशी पयर्टकों को मिलेगी सुविधा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा?कि श्रीराम राजा लोक के पहले चरण में लगभग 5.50 करोड़ रूपए की लागत से तैयार 103 नवीन दुकानों एवं प्लाजा का लोकार्पण भी आज ही किया जा रहा है। यह विकास कार्य ओरछा आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों की सुविधाओं में और अधिक इजाफा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ओरछा में श्रीराम राजा लोक के निर्माण के दोनों चरणों सहित सात विभिन्न प्रकार की विकास परियोजनाओं पर करीब 239 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के कई निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। यह सभी कार्य श्रीराम राजा सरकार के चरणों में अर्पित हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निवाड़ी प्रदेश का दूसरा जिला जहां हर घर में नल से जल इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट की स्थापना होगी। प्रदेश का दूसरा ऐसा जिला है, जहां हर घर में नल से जल पहुंच रहा है। निवाड़ी केन-बेतवा परियोजना से भी लाभान्वित होने जा रहा है। इससे संपूर्ण क्षेत्र को भरपूर लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीराम राजा लोक के निर्माण से ओरछा में धार्मिक एवं पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण होगा। क्षेत्र का विकास होगा, रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि लाड़पुरा खास एवं राधापुर ग्राम की महिलाओं द्वारा संचालित होम-स्टे मध्यप्रदेश में पहले एवं दूसरे स्थान पर रहे हैं। इस वर्ष चंदपुरा तथा जमुनियां खास में एक दर्जन नए होमस्टे प्रारंभ किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया?कि निवाड़ी औद्योगिक विकास में भी आगे आ रहा है। जिले के पृथ्वीपुर में पेसिफिक इंडस्ट्री मेटल लिमिटेड द्वारा 3200 करोड़ रूपए की लागत से करीब 300 हेक्टेयर भूमि में 'इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट' की स्थापना की जा रही है।

लोकल उत्पादों को दे प्रोत्साहन

आत्मनिर्भर बनाने स्वदेशी को दे बढ़ावा: सम्पतिया उईके

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। बुधवार को भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में आत्मनिर्भर भारत स्वदेशी संकल्प अभियान को लेकर पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया जिसे मध्यप्रदेश शासन की केबिनेट मंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्रीमति सम्पतिया उइके ने भाजपा जिलाध्यक्ष पं. रामस्नेही पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष ज्याति काकोड़िया तेन्दूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटैल, नगर पालिका अध्यक्ष नीरज महाराज, अभियान के जिला प्रभारी नीलकमल जैन, जिला मीडिया प्रभारी अभिनव शर्मा की उपस्थिति में पत्रकार जनों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है देश को विकसित बनाने का मार्ग आत्मनिर्भर भारत के निर्माण से होकर जाता है आत्मनिर्भर भारत निर्माण का सशक्त माध्यम स्वदेशी है। इस हेतु घर घर स्वदेशी हर घर स्वदेशी गर्व से कहो यह स्वदेशी है यह केवल नारा नहीं अपितु स्वदेशी का संकल्प लेकर आत्मनिर्भर भारत की नींव को स्थापित करना है। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियानह्न विकसित राष्ट्र बनाने का मार्ग है।

स्वदेशी को दिया जा रहा बढ़ावा

कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि देश की आजादी के बाद की सरकारों ने पश्चिमी मॉडल को अपनाया और स्वदेशी को प्रोत्साहन नहीं दिया। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनने के बाद स्वदेशी को बढ़ावा दिया गया। वर्ष 2014 से पहले हमारी सेनाओं को बुलेट प्रूफ जैकेट तक विदेशों से मंगाई जाती थी। वर्ष 2014 से पहले भारत का रक्षा निर्यात मात्र 600 करोड़ के करीब था। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज भारत का रक्षा निर्यात 23 हजार करोड़ से अधिक पहुंच चुका है। भारत वर्तमान में प्रति वर्ष 2 लाख करोड़ के मोबाइल निर्यात कर रहा है। मोबाइल निर्माण में भारत विश्व में दूसरे नंबर पर है। आटोमोबाइल, ट्रैक्टर निर्माण में भारत विश्व में प्रथम स्थान पर, बस निर्माण में दूसरा स्थान और ट्रक निर्माण में भारत तीसरे स्थान पर है।

लघु उद्योगों को दे बढ़ावा

कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देशभर में भाजपा द्वारा चलाए जा रहे ह्यआत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियानह्य में स्वदेशी और लघु उद्योगों को बढ़ावा देना है। यह अभियान विकसित भारत बनाने की गति को तेज करने के साथ देश को आयात पर निर्भरता से मुक्त करना है। घरेलू उत्पाद को बढ़ावा देने के साथ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सशक्त बनाना है। साथ ही नवाचार, स्टार्टअप और टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने के साथ युवाओं को रोजगार और उद्यमिता के अवसर देना है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पाद वह है जो भारत में बना है, स्वदेशी वह है जिसको बनाने में भारतीयों का श्रम पसीना लगा है। हर घर स्वदेशी घर-घर स्वदेशीह्यह्य का आह्वान प्रधानमंत्री जी ने किया है। हर घर स्वदेशी घर-घर स्वदेशी यह एक नारा नहीं आत्मनिर्भर और विकसित भारत की नींव है।

विकास के रास्ते पर दौड़ रहा प्रदेश

कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की डबल इंजन वाली सरकार मध्यप्रदेश को तेजी से विकास के रास्ते पर आगे ले जा रही हैं। प्रदेश में नर्मदा विकास पथ, मालवा विकास, विंध्य विकास पथ, बुंदेलखंड विकास पथ, चंबल एक्सप्रेस वे, विंध्य एक्सप्रेस वे, नर्मदा एक्सप्रेस जैसी परियोजनाएं लागू की गई हैं। ओंकारेश्वर में दुनिया का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर प्लांट लग रहा है। इंदौर-भोपाल में मेट्रो परियोजना, इंदौर में 35 मंजिला स्टार्टअप पार्क बनाया जा रहा है। धार में मेगा टेक्सटाइल पार्क बन रहा है, जहां से कपास और रेशम का एक्सपोर्ट होगा। 44600 करोड़ रुपये लागत वाली केन-बेतवा लिंक परियोजना पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं।प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। करीब 30 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनसे करीब 23 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। प्रदेश के सांची दूध को पूरे देश में पहचान दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। महाकाल लोक की तर्ज पर प्रदेश में 11 नए सांस्कृतिक केंद्रों के विकास का काम चल रहा है। मंडल स्तर पर मंडल सम्मेलन, स्ट्रीट वेंडर, छोटे दुकानदार एवं स्थानीय कारीगर सम्मेलन व संपर्क के साथ 25 दिसंबर को अभियान का समापन होगा।

किसान संघ का दो दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस भरतीय किसान संघ महकौशल प्रान्त का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न हुआ। इस वर्ग में सिवनी, टीकमगढ़, बालाघाट, छिंदवाड़ा, सीधी, मऊगंज, सागर, एवं नरसिंहपुर जिले के जैविक प्रमुख एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भाकिसं के प्रांत सङ्गठन मंत्री तुलाराम जी, जिलाध्यक्ष सन्तोष राय, प्रान्त जैविक प्रमुख कृष्णपाल, कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ पौधरोग वैज्ञानिक डॉ एस आर शर्मा, जबलपुर सम्भाग अध्यक्ष अनिरुद्ध सिंह, प्रान्त उपाध्यक्ष नारायण सिंह पटेल, प्रान्त मंत्री स्वदेश, प्रान्त सदस्य सरदार सिंह, जिला कोषाध्यक्ष विष्णु, जिला उपाध्यक्ष भाव सिंह, सम्भाग उपाध्यक्ष विजय, तेज सिंह, राजेंद्र शर्मा, शारदा माता गौसेवा प्रमुख केरपानी, प्रीतम सिंह की उपस्थिति रही। इस प्रशिक्षण के बाद सभी जैविक प्रमुख अपने अपने जिलों में जैविक खेती करने वाले किसानों को प्रशिक्षित करेंगे। विषमुक्त खाद्यान्न आज महति आवश्यकता है। किसानों के साथ उपयोगकर्ता को मोटिवेट करने की भी आवश्यकता है। जिस तरह से आज केंसर के मरीज बढ़ रहे हैं वह आने वाले खतरे की आहट है यदि आज हमने विषमुक्त खाद्यान्न नहीं अपनाया तो बर्बाद होने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। प्रान्त संगठन मंत्री ने कहा विज्ञान चमत्कार भी अभिशाप भी। आज का समय गौकृषि वणिज्यम का है हर किसान को कुटीर उद्योग की पर विचार करना पड़ेगा। सभी जिलों में जैविक वर्ग की यजन भी बनी। यथासम्भव जैविक हॉट शुरू करने की बात भी कही। कार्यक्रम के उपरांत छिड़वाड़ा से लाये पौधों का पौधरोपण भी किया।

कृषि विस्तार अधिकारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। विगत दिवस मध्यप्रदेश कृषि विस्तार अधिकारी संघ ने अपनी 12 सूत्री मांगों को लेकर मंगलवार को ज्ञापन सौंपा। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो नवंबर से प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। यह ज्ञापन संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के नाम था, जिसे कृषि विभाग के उपसंचालक मोरिस नाथ को सौंपा गया। संघ ने कृषि विस्तार अधिकारियों की समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की है। ज्ञापन में बताया कि प्रदेशभर के कृषि विस्तार अधिकारी मैदानी स्तर पर विभाग की योजनाओं के सफल संचालन, प्रचार-प्रसार और किसानों तक जानकारी पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद उन्हें कई स्तरों पर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संघ की प्रमुख मांगों में कृषि विस्तार अधिकारियों को 2400 ग्रेड पे के स्थान पर 2800 ग्रेड पे देना, तीन वर्ष की परिवीक्षा अवधि पूरी होने के बाद 100 प्रतिशत वेतन प्रदान करना और लंबित महंगाई भत्ता व एरियर का भुगतान करना शामिल है। इसके अतिरिक्त रबी सीजन के लिए बीज की तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित करने, पटवारियों के समान पच्चीस प्रतिशत सर्वे भत्ता देने, भावांतर योजना में पंजीयन लक्ष्य के लिए दबाव समाप्त करने और अनुचित निलंबन की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग भी की गई है। संघ ने आरोप लगाया कि डीबीटी योजना के तहत फसल प्रदर्शन में कुछ अधिकारियों द्वारा निजी विक्रेताओं से निम्न गुणवत्ता की सामग्री वितरण कराने के लिए दबाव डाला जा रहा है। अन्य मांगों में स्नातक उपाधि प्राप्त कृषि विस्तार अधिकारियों को नियुक्ति दिनांक से समयमान वेतनमान का लाभ देना, रिक्त कृषि विकास अधिकारी पदों पर वरिष्ठता के आधार पर प्रभार सौंपना, मृदा नमूना संग्रहण व स्वास्थ्य कार्ड वितरण की राशि का भुगतान करना और महिला कृषि विस्तार अधिकारियों के लिए शौचालय एवं पेयजल की सुविधा सुनिश्चित करना शामिल है। संघ ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि विभाग ने इन मांगों पर शीघ्र कोई निर्णय नहीं लिया तो आगामी नवंबर से प्रदेशभर में आंदोलन की रणनीति अपनाई जाएगी।

रोजगार स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला 27 को

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र नरसिंहपुर युवा संगम कार्यक्रम के अंतर्गत रोजगार स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन शासकीय ठाकुर निरंजन सिंह महाविद्यालय गोटेगांव में 27 अक्टूबर 2025 को प्रातः 10.30 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। मेले के दौरान स्वरोजगार योजनान्तर्गत विभिन्न विभागों के माध्यम से स्वरोजगार के लिए उपलब्ध कराए गए ऋण का वितरण एवं निजी क्षेत्र के फार्म कंपनियों द्वारा रोजगार उपलब्ध कराए गए आवेदकों को ऑफर लेटर का वितरण किया जाएगा।

जीवन रक्षा की दिलाई शपथ

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। रेलवे अस्पताल और स्टेशन परिसर में बुधवार को सीपीआर जागरूकता सप्ताह के तहत एक कार्यक्रम किया गया। इस दौरान रेलवे डॉक्टर आर. आर. कुर्रे के नेतृत्व में सभी उपस्थित लोगों ने जीवन रक्षा की शपथ दिलाई और आपातकालीन स्थितियों में जान बचाने के महत्वपूर्ण कौशल को सीखा। कार्यक्रम में रेलवे अस्पताल के डॉक्टर, अधिकारी-कर्मचारी, उनके परिजन, स्कूली बच्चे, जीआरपी, आरपीएफ के जवान और स्टेशन पर मौजूद यात्रियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। डॉ. कुर्रे ने सीपीआर की उपयोगिता और उसकी सही प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हार्ट अटैक, पानी में डूबने, बिजली के झटके या अन्य गंभीर स्थितियों में सीपीआर के माध्यम से किसी व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। सीपीआर देने की तकनीक बताते हुए डॉ. कुर्रे ने कहा कि व्यक्ति की छाती के बीच में अपनी कोहनियों को सीधा रखते हुए, अपने शरीर के वजन को पीछे रखते हुए, अपने हाथों की एड़ी का प्रयोग कर प्रति मिनट 100 से 120 बार जोर से और तेजी से दबाव डालना चाहिए। डॉ. कुर्रे ने स्पष्ट किया कि सीपीआर केवल वयस्कों के लिए ही नहीं, बल्कि छोटे बच्चों को भी अलग तरीके से दिया जा सकता है। उन्होंने बच्चों को सीपीआर देने के तरीके का प्रदर्शन भी किया। इसके अलावा, उन्होंने जानकारी दी कि आपातकालीन स्थितियों में जानवरों को भी सीपीआर देकर बचाया जा सकता है।

एफएलएन मेले का आयोजन 30 को

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र ने बताया कि जिले की प्रत्येक शासकीय प्राथमिक शालाओं में एफएलएन मेले का आयोजन तीन चरणों में किया जायेगा। प्रथम चरण एफएलएन मेले का आयोजन 30 अक्टूबर 2025 को किया जायेगा। प्रत्येक शाला में माता- अभिभावक समूह का गठन शाला स्तर पर किया जाकर निदेर्शानुसार निर्धारित मासिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मेला आयोजन की पालकों और समुदाय को पूर्व सूचना प्रदान करते हुए अनिर्वायता आमंत्रित किया जाए। साथ ही बसाहट की ऑगनबाड़ी को सूचना दें कि वह भी बच्चों के साथ उक्त मेले में सहभागिता करें। मेला दिवस के पूर्व डाइट स्तर पर जिले के समस्त जनशिक्षकों को एक दिवसीय उनमुखीकरण 25 से 29 अक्टूबर के मध्य आयोजित किया जाएगा। जिसमें पूर्व सत्रों की भांति प्रथम संस्था के वॉलिन्टयर उन्मुखीकरण में सहयोग हेतु उपस्थित रहेंगे। आयोजन के पूर्व मेलों का प्रचार-प्रसार प्रत्येक स्तर पर किया जाए। प्रचार-प्रसार हेतु पत्र के साथ संलग्न किए गए नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से भी कराया जाए।

दस मिष्ठान प्रतिष्ठानों का किया निरीक्षण

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निदेर्शों के परिपालन में दीपावली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुश्री सारिका दुबे एवं श्रीमती कविता राठौर ने सिंहपुर, करेली व राजमार्ग तेंदूखेड़ा में 10 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न मिठाई की दुकानों, खोबा विक्रेता व अन्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दूध एवं मावा, दही, घी, मिठाई, दूध एवं खोवे से बनी विभिन्न प्रकार की मिठाईयॉ, छैना के रसगुल्ले, बेसन के लड्डू आदि के लगभग 16 नमूनों को संग्रहीत किया गया। संग्रहीत नमूनों की जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। इस दौरान खाद्य विक्रेताओं को खाद्य सामग्री ढंकर रखने, स्वच्छता पूर्वक और गुणवत्तापूर्ण मिठाईयों का विक्रय करने के निर्देश दिए। विक्रेताओं को हिदायत दी गई कि नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

एरियर भुगतान की मांग दिया आवेदन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। जिला प्रशासन के नाम सेवानिवृत्त कर्मचारी द्वारा आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की गई। वर्ष 2019 मई माह से सहायक पंजीयक सहकारी संस्था नरसिंहपुर में उप अंकेक्षक के पद पर कार्यरत था तथा सातवें वेतनमान की प्रथम एवं द्वितीय किश्त जिला सिवनी से प्राप्त हो गई थी किन्तु आपके कार्यालय से तृतीय किस्त 2019-20 में मिलना थी जो कि आज दिनांक तक भुगतान नहीं किया गया है जबकि यह राशि सेवा अवधि में ही भुगतान की जाना थी साथ ही समय समय पर प्राप्त होने वाले डी ए का एरियर भी आज दिनांक तक भुगतान नहीं हुआ है उक्त राशि भी सेवा अवधि में ही भुगतान किया जाना था वह भी आज दिनाक तक भुगतान नहीं की गई है। म.प्र.शासन वित्त विभाग का पत्र कमाक एफ/9-11/2017 के अनुसार सेवानिवृत्ति के तीन माह मई जून जुलाई 23 का नियोक्ता अंशदान की राशि वेतन देयक के साथ भुगतान करना था परन्तु आज दिनांक तक भुगतान नहीं किया गया है। आवेदन के माध्यम से भुगतान कराने की मांग की गई।

खेल/व्यापार

नेपाल और ओमान ने टी-20 विश्व कप 2026 के लिए किया क्वालिफाई

नई दिल्ली। नेपाल और ओमान ने एशिया-ईएपी क्वॉलिफायर में अल अमीरात में अपने सुपर सिक्स मुकाबले से पहले ही भारत और श्रीलंका में होने वाले 2026 टी20 विश्व कपो में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस टूनार्मेंट से एक और टीम अगले साल के टी20 विश्व कप में उनका साथ देगी। नेपाल और ओमान को टी20 विश्व कप का टिकट तब मिला जब यूएई ने समोआ को पहले 77 रनों से हरा दिया। सुपर सिक्स प्वाइंट्स टेबल पर यूएई फिलहाल चार अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है, जबकि ओमान और नेपाल शीर्ष पर हैं। दोनों टीमों के बीच फर्क.सिर्फ.नेट रन रेट का है। यूएई अब 16 अक्तूबर को जापान से एक अहम मुकाबला खेलेगा। लेग स्पिनर संदीप लैमिछाने नेपाल की टी20 विश्व कप तक की यात्रा में अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने 9.40 की शानदार औसत और छह से कम की इकॉनमी रेट के साथ चार पारियों में दस विकेट लिए हैं। कतर के खिलाफ मिली जीत में उन्होंने सिर्फ. 18 रन देकर पांच विकेट लिए। ओमान के जितेन रमनंदी इस टूनार्मेंट में चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने चार पारियों में सात विकेट लिए हैं। एशिया-ईएपी क्वॉलिफायर से पहले भी यह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज एशिया कप में भारत के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं, जहां उन्होंने अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा को आउट किया था।

केन विलियमसन की आईपीएल में हुई वापसी

लखनऊ। केन विलियमसन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) में रणनीतिक सलाहकार के रूप में शामिल हो गए हैं, टीम के मालिक संजीव गोयनका ने गुरुवार सुबह सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। फ्रैंचाइजी के मालिक गोयनका ने 35 वर्षीय पूर्व न्यूजीलैंड कप्तान के बारे में लिखा, ह्यउनका नेतृत्व, रणनीतिक अंतर्दृष्टि, खेल की गहरी समझ और खिलाड़ियों को प्रेरित करने की क्षमता उन्हें टीम के लिए एक अमूल्य योगदान बनाती है।ह्न विलियमसन, जो एसए 20 लीग में डरबन टीम के साथ रहते हुए सुपर जायंट्स फ्रैंचाइजी का हिस्सा रहे हैं, ने आखिरी बार इस साल मार्च में दुबई में भारत के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में न्यूजीलैंड के लिए खेला था।

भारत-सऊदी अरब के बीच बड़ी डील

दोनों देशों ने रसायन और पेट्रोकेमिकल सेक्टर में सहयोग बढ़ाने पर जताई सहमति

नई दिल्ली। भारत और सऊदी अरब ने केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स सेक्टर में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने, निवेश को बढ़ावा देने का फैसला लिया। यह जानकारी बुधवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई। पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच पारस्परिक सुरक्षा समझौते के बाद लोगों का कहना था कि इस समझौते के बाद भारत और सऊदी अरब के बीच रिश्तें कमजोर होंगे, लेकिन भारत और सऊदी अरब ने सभी को चौंकाते हुए इस बड़े फैसले का ऐलान किया है। भारत के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के मुताबिक सऊदी अरब भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और भारत सऊदी अरब का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार साल 2024-25 में 41.88 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स का योगदान 10 प्रतिशत यानी लगभग 4.5 अरब डॉलर रहा। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक भारत के रसायन और पेट्रोरसायन विभाग और सऊदी अरब के उद्योग एवं खनिज मंत्रालय के बीच एक द्विपक्षीय बैठक हुई। इस बैठक में भारतीय पक्ष का नेतृत्व रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग की सचिव निवेदिता शुक्ला वर्मा ने किया। वहीं, सऊदी प्रतिनिधिमंडल की अगवाई उद्योग और खनिज उप मंत्री खलील बिन इब्राहिम बिन सलामाह ने की। दोनों पक्षों ने केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स सेक्टर में दोनों देशों की पूरकता को स्वीकार किया। दोनों पक्षों ने भारत के पेट्रोलियम, केमिकल और पेट्रोकेमिकल इन्वेस्टमेंट रिजन में निवेश और दोनों देशों की प्रमुख कंपनियों के बीच संभावित साझेदारी सहित केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स की वैल्यू चेन में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की।

पर्व पर कार्रवाई से नाराजगी प्रशासन की सयुंक्त कार्रवाई

सड़क किनारे सालों से जमी दुकानों को हटाया गया

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के बाद प्रशासन के द्वारा नगर की कुछ चिन्हित सड़को पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। गत दिवस लॉलीपुर पर कुछ औपचारिक कार्रवाई हुई। इसके बाद लालीपुर से लेकर बैगा बैगी चौक तक अतिक्रमण हटाया गया। करीब एक दर्जन दुकान के टीन शेड अलग कराए गए है। यहा अस्थाई दुकानो के पंडाल भी खुलवाए गए है। ये दुकाने कई सालो से सजती चली आ रही थी।

इन पर दीवाली पर्व के समय पर कार्रवाई करने पर आमजनो में रोष देखा जा रहा है। सूत्रों से जानकारी अनुसार नगर पालिका क्षेत्र में दीवाली पर्व को लेकर यातायात व्यवस्था बनाने के लिए प्रशासन के द्वारा सड़क को कब्जा व अतिक्रमण मुक्त कराया जा रहा है। आरोप है कि प्रशासन के द्वारा उन सड़को पर कार्यवाही का हंटर मारा जा रहा है। जहां यातायात दबाब कम है और यातायात बाधित होने की ज्यादा समस्या नहीं है। लालीपुर तिराहे पर सड़क किनारे दुकाने आज भी लग रही है। बस स्टेंड इलाके दुकाने पहले जैसी ही जमी है। चिलमन चौक से लेकर पड़ाव मार्ग पर दुकाने से ज्यादा सड़क के फुटपाथ पर विक्रय के लिए साम्रगी रखी हुई है। सड़क किनारे दुकाने बोर्ड बैनर व डिस्प्ले रखे हुए। इन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। यहां तक बाजार क्षेत्र रेडक्रास बड़ चौराहा, उदयचौक की ओर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। गत दिवस लालीपुर क्षेत्र में प्रशासन के द्वारा सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराया जा रहा है। इसके लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल व निकाय प्रशासन का अमला मौजूद रहा है।

स्कूल पहुंच सड़क पर कार्रवाई नहीं

बस स्टेंड से लेकर ज्ञानदीप स्कूल पहुंच सड़क पर टीन शेड की बड़ी बड़ी दुकाने लगी हुई है। यहां तक पिछले माह तक नए शेड रखे गए है। इस पर जिला प्रशासन के द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। विगत दिनों यहाँ की सभी दुकानों को हटा दिया गया था पर फिर यहां पर दुकाने सज गयी है एक तरफ बस खड़ी की जा रही है दूसरी तरफ दुकानदारों ने कब्जा कर लिया है इस सड़क पर बस स्टेंड और बाजार क्षेत्र का ट्रेफिक रहता है। यहां तक बड़ी संख्या ऑटो का जमावाड़ा लगा रहता है अभी पर्व पर स्कूल के सामने से ही नो एंट्री लगा दी जाएगी। इसके चलते सड़क से यातायात डायवर्ट किया जाएगा लेकिन यहां कार्रवाई नहीं की जा रही हैआखिर क्यों।

राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन, निष्पक्ष जांच की मांग

छिंदवाड़ा कफ सिरप कांडः 16 मासूमों की मौत पर मंडला कांग्रेस सड़कों पर

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिला कांग्रेस कमेटी मंडला द्वारा महामहिम राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया है, जिसमें छिंदवाड़ा जिले में घटित अत्यंत दुखद घटना में 16 से अधिक मासूम बच्चों की कफ सिरप पीने से हुई मौत की उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।ज्ञापन में बताया गया कि बीते दिनों छिंदवाड़ा जिले में एक ही तरह की कफ सिरप पीने के बाद कई बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ी और इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। यह घटना न केवल हृदयविदारक है, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का भी प्रमाण है ।

कांग्रेस का आरोप है कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जिस दवा का वितरण किया गया था, वह पूर्व में तमिलनाडु जैसे राज्यों में प्रतिबंधित की जा चुकी थी। इसके बावजूद बिना परीक्षण के इतनी बड़ी मात्रा में उक्त दवा की खरीदी कैसे हुई, यह सवाल सरकार की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लगाता है। जिला कांग्रेस कमेटी मंडला ने अपने ज्ञापन में यह भी स्पष्ट किया कि इस पूरे प्रकरण में स्टेट ड्रग कंट्रोलर की भूमिका संदिग्ध प्रतीत होती है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि इतनी बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित दवा की खरीदी और वितरण बिना स्टेट ड्रग कंट्रोलर की सिफारिश या आदेश के संभव नहीं है। इसके बावजूद अब तक उनके खिलाफ कोई

ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। कांग्रेस ने ज्ञापन के माध्यम से प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि ऐसी घटनाएं केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि गहरी साजिश और भ्रष्टाचार की ओर संकेत करती हैं, जिसकी जांच कर दोषियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। जिला कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में राज्यपाल से अपील की गई कि वे स्वयं इस मामले को संज्ञान में लें और एक स्वतंत्र जांच समिति गठित कर जांच कराएं,जिससे पीड़ित परिवारों को न्याय मिल सके और भविष्य में ऐसी दुखद घटनाएं न हों।ज्ञापन सौंपने के दौरान कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस हृदयविदारक घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। कांग्रेस पार्टी हुए घटनाक्रम की सूक्ष्मता से जांच कराकर दोषियों पर सख्त कार्यवाही की मांग की गई है

."आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान" के अंतर्गत प्रेसवार्ता संपन्न

स्वदेशी सिर्फ एक नारा नहीं वरन आत्मनिर्भर और विकसित भारत की नींव है: संपतिया उइके

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने की दिशा में भारतीय जनता पार्टी मंडला द्वारा गुरूवार को जिला भाजपा कार्यालय में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री जयदत्त झा, तथा जिला महामंत्री नरेश चंद्रौल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प दिया है और इस लक्ष्य तक पहुंचने का एकमात्र मार्ग आत्मनिर्भर भारत का निर्माण है। आत्मनिर्भर भारत का सशक्त माध्यम स्वदेशी है। हर घर स्वदेशी, हर व्यक्ति स्वदेशी, यही हमारा मंत्र और हमारी शक्ति है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी केवल आर्थिक अवधारणा नहीं, बल्कि यह हमारी संस्कृति, आत्मा और पहचान का प्रतीक है। हमारे किसान, हमारे कारीगर, हमारे छोटे व्यापारी और उद्योगपति जब स्वदेशी को अपनाते हैं, तो वे न केवल देश के प्रति सम्मान व्यक्त करते हैं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भी अहम योगदान देते हैं। श्रीमती उइके ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाएं इसी सोच की परिणति हैं, जो देश को ह्यविकसित भारतह्ल की दिशा में ले जा रही हैं। वही सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा आत्मनिर्भर भारत कोई नारा नहीं, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण का संकल्प है। हमें विदेशी वस्तुओं की होड़ छोड़कर अपने उत्पादों और अपनी मिट्टी से जुड़ना होगा। स्वदेशी ही हमारा आत्मसम्मान है और यही आत्मनिर्भर भारत की नींव है। उन्होंने कहा कि भारत की स्वदेशी परंपरा कोई नई सोच नहीं है. बीसवीं सदी के आरंभ में स्वदेशी आंदोलन ने ही बंगाल विभाजन के विरोध में देश को एकता और आत्मसम्मान का संदेश दिया था। आज प्रधानमंत्री मोदी जी उसी विचारधारा को आधुनिक स्वरूप में आगे बढ़ा रहे हैं। कुलस्ते ने कहा कि भारत की शक्ति, संस्कृति और उद्योग-कुशलता ही आत्मनिर्भर भारत का आधार है। उन्होंने कहा कि ह्लवोकल फॉर लोकलह्ल का संदेश हर नागरिक तक पहुँचना चाहिए ताकि भारत का हर व्यक्ति, हर गांव और हर घर आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन सके। कार्यक्रम के अंत में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि मंडला जिला भी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने और युवाओं को रोजगार के अवसर दिलाने के लिए पार्टी कार्यकर्ता हर स्तर पर सक्रिय हैं। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष जयदत्त झा ने किया और आभार जिला महामंत्री नरेश चंद्रौल ने व्यक्त किया। अंत में सभी उपस्थित अतिथियों ने यह संकल्प लिया कि आने वाले समय में आत्मनिर्भर भारत स्वदेशी भारत की भावना को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

बिछिया में आयोजित हुआ राष्ट्र सुरक्षा मंच के बैनर तले धर्मान्तरण विरोधी सभा का आयोजन

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के भुआ बिछिया की ग्राम पंचायत बुधनवारा में विश्व हिन्दू परिषद के तत्वाधान में जिला बिछिया अंतर्गत प्रखंड बिछिया के बुधनवारा ग्राम में राष्ट्र सुरक्षा मंच/अनुसूचित जनजाति सुरक्षा मंच के बैनर तले धर्मांतरण विरोधी सभा का आयोजन हुआ, सभा का मंच संचालन बिछिया प्रखंड धर्मरक्षक बसंत बलाडी जी द्वारा किया गया, जिसमें ग्राम के सभी सनातनी वरिष्ठजन तथा युवा साथी उपस्थित रहे।

सभा में घुघरी प्रखंड से धर्मरक्षक कन्हैया गोप जी द्वारा बतलाया गया कि सुप्रीम कोर्ट में धर्मांतरण विरोधी धर्म स्वातंत्र्य कानून को समाप्त करने के लिए ईसाई मिशनरियों तथा कट्टरपंथी देशद्रोही मानसिकता के लोगों द्वारा अपील की गई है, जिसका विधिवत संज्ञान सुप्रीम कोर्ट ने नहीं लिया और इस विषय को राष्ट्रीय अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग में जानकारी देना उचित नहीं समझा। वही सुप्रीम कोर्ट अनुसूचित जाति/जनजाति समाज में हो रहे धर्मांतरण से नष्ट हो रही उनकी हजारों वर्षों पुरानी संस्कृति सभ्यता की चिंता नहीं करता। सुप्रीम कोर्ट के इस दोहरे रवैए का देश के सनातनी समाज को आभास होना जरूरी है, इसीलिए ऐसी सभाएं देश के कोने कोने में विश्व हिन्दू परिषद द्वारा की जा रही हैं। विषय को आगे बढ़ाते हुए जिला धर्मप्रसार प्रमुख विवेक कुमार पाण्डेय ने बताया कि कुछ जातीय, राजनीति संगठनों के प्रमुखों द्वारा ईसाई मिशनरियों तथा वामपंथियों के इशारे पर आदिवासी हिन्दू नहीं है, ऐसा झूठा प्रचार कर आदिवासी समाज को मुख्य धारा से अलग करने का षडयंत्र रचा जा रहा है, जबकि हजारों वर्ष पूर्व के रामायण काल में वर्णन आता है कि श्रीराम जी जब पिता की आज्ञा से वन गमन किए, तब वहां कोल, भील, किरात, केवट आदि वनवासी समाज के बीच में उनका परिवार की तरह जीवन बीता और सारे वनांचल के वनवासी समाज भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त थे। हमारे ऋषि मुनियों के आश्रम जंगलों में होते थे और सारा वनवासी समाज उन्हें फल फूल लकड़ी आदि प्राकृतिक वस्तुएं उपलब्ध कराता था। 1940 के दशक में तमिलनाडु में पेरियार नाम का एक वामपंथी विचारक हुआ, जिसने मनगढ़ंत सच्ची रामायण नाम की किताब लिखी, जिसमें रावण को आदिवासियों का नेता बताने का झूठा प्रचार उसी समय से चल रहा है। पेरियार खुद एक नाबालिक लड़की के साथ व्यभिचार का दोषी था। ऐसे विकृत मानसिकता वाले पागलपन और झूठ से भरे हुए वामपंथियों द्वारा मनगढ़ंत झूठे साहित्य रचकर सनातनी देवी देवता के प्रति गलत अवधारणाएं बनाकर झूठे साहित्य प्रचारित करने का कार्य किया जा रहा है, जिससे सनातनी समाज पूजा पद्धति के नाम पर एक दूसरे से लड़े और टूटे, ताकि देश को पुनः विदेशी ताकतों के हाथ सौंपा जा सके। हमें सही जानकारियां प्राप्त करते हुए इन सभी प्रकार के झूठे प्रचारों से बचना है और सभी को एकसूत्र में बंधे रहना है। इस प्रकार के उद्बोधन सभा में सभी सनातनी बंधुओं के समक्ष दिए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्राम मार्को (रिटायर्ड एएसआई), घुघरी प्रखंड से धर्मरक्षक कन्हैया गोप बिछिया प्रखंड से धर्मरक्षक बसंत बलाडी तथा जिला धर्मप्रसार प्रमुख विवेक पाण्डेय तथा सभी ग्रामवासी उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत भीमडोंगरी में प्रशासन आपके द्वार जन सेवा शिविर आयोजित

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निदेर्शानुसार एसडीएम बिछिया श्रीमती सोनाली देव के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत के ग्रामों में ह्लप्रशासन आपके द्वारह्ल अंतर्गत शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में मवई जनपद पंचायत के नक्सल प्रभावित ग्राम भीमडोंगरी में शासन की विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किये जाने हेतु प्रशासन आपके द्वार (जन सेवा शिविर) का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान विभिन्न विभाग के कुल 153 हितग्राहियों के व्यक्तिगत/ सामुदायिक आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 98 आवेदनों का मौके पर त्वरित निराकरण कराया गया। शेष 55 आवेदनों को समय-सीमा में निराकरण कराने हेतु संबंधित विभाग को प्रेषित किया गया। इस दौरान सीईओ जनपद पंचायत मवई, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, पीएचई, वन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण विभाग, विद्युत वितरण कंपनी सहित संबंधित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

नेशनल हाइवे तीस में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के थाना बीजाडांडी क्षेत्र खूटा पड़ाव के पास नेशनल हाइवे तीस पर एक लापरवाह बेलगाम ट्रक चालक ने बाइक सवार को रौंद दिया। जिससे बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पहुँच कर ट्रक को जब्त कर लिया। मृतक के शव को पीएम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य बीजादांडी भेजा गया। ट्रक चालक पर विभिन्न धाराओ के तहत मामला दर्ज किया गया। वही बताया गया है कि सलैया निवासी रामचन्द्र पिता हरिसिंह मरकाम उम्र 45 वर्ष जो की बाइक में सवार होकर घर से निकला था। खूटापडाव के पास हाइवे पर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को रौंद दिया। जिससे बाईक सवार की मौके पर मौत हो गई। घटना

के बाद हाइवे लोगो का हूजूम लग गया। सूचना मिलते ही बीजाडांडी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ट्रक को जब्त कर लिया। चालक के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

दीपावली पर्व पर मंडला शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर अस्थायी प्रतिबंध

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। दीपावली त्यौहार के दौरान शहर में बढ़ते यातायात दबाव और सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने मंडला नगर क्षेत्र में भारी वाहनों के आवागमन पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया है। यह आदेश 16 अक्टूबर से 22 अक्टूबर 2025 तक प्रभावी रहेगा। अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मंडला एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मंडला से प्राप्त प्रस्ताव के अनुसार यह निर्णय लिया गया है। दीपावली पर्व के मद्देनजर शहर में भीड़-भाड़ की स्थिति को देखते हुए यह कदम जन-सुरक्षा और यातायात सुगमता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। न्यायालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मंडला के आदेश के अनुसार, प्रतिबंध अवधि में रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक मंडला एवं बम्हनी बंजर नगरीय क्षेत्र में सभी प्रकार के भारी वाहनों (ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित) के प्रवेश की छूट प्रदान की गई है। शेष अवधि में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। जारी निदेर्शों के अनुसार शहर के अंदर केवल आवश्यक कार्य के लिए ही वाहन प्रवेश कर सकेंगे। नाबालिक व्यक्तियों को वाहन चलाने की अनुमति नहीं होगी। शराब पीकर वाहन चलाने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। प्रवेश के समय अधिकतम निर्धारित गति सीमा 30 किलोमीटर प्रति घंटा का पालन अनिवार्य रहेगा। यह आदेश मध्यप्रदेश मोटरयान नियम 1994, मोटर वाहन अधिनियम 1988 तथा भारतीय न्याय संहिता 2023 के प्रावधानों के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। प्रशासन ने नागरिकों से सहयोग की अपील की है ताकि दीपावली पर्व सुरक्षित और सुव्यवस्थित तरीके से मनाया जा सके।

30,770 नगद व ताश की गड्डी जप्त

जुआ सट्टा पर थाना नैनपुर पुलिस की कार्यवाही 5 आरोपी गिरफ्तार

रेवाँचल टाईम्स - मंडला। जिले के पुलिस अधीक्षक मंडला के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंडला के मार्गदर्शन में, अवैध जुआ-सट्टा खेल पर प्रभावी नियंत्रण हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना नैनपुर पुलिस द्वारा कार्यवाही की गई। दिनांक 15.10.2025 की रात्रि में थाना नैनपुर पुलिस को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि प्रियासी लॉज के ऊपर बने हाल में कुछ व्यक्ति ताश पत्तों पर रुपए पैसों का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा मौके पर घेराबंदी कर दबिश दी गई, जहां 05 व्यक्तियों को जुआ खेलते हुए पकड़ा गया।

ये पकड़ाए

1. सतेन्द्र पिता शिवचन्द्र सिंगोर, उम्र 50 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 02 नैनपुर 2. विध्य प्रसाद पिता स्व. शारदा श्रीधर, उम्र 65 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 15 नैनपुर 3. हीरालाल पिता लक्ष्मण सिंह सेन, उम्र 46 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 15 नैनपुर 4. श्रीनिवास राव पिता बिडालमणी सूर्यभगवान, उम्र 48 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 04 नैनपुर 5. प्रवीण पिता स्व. दीपचंद जैन, उम्र 72 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 12 नैनपुर, जप्त सामग्री – कुल नगद 30,770/-, ताश के 52 पत्तों की गड्डी, पुलिस ने मौके पर जप्ती पत्रक तैयार कर आरोपियों के विरुद्ध धारा 13 जुआ अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है।

प्रेक्षक ने किया घुघरी एवं मवई के मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। नगरपालिकाओं एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए नियुक्त प्रेक्षक श्री प्रकाश व्यास ने गुरूवार को घुघरी के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। प्रेक्षक श्री व्यास द्वारा जनपद पंचायत घुघरी के डोंगरमंडला, बिलगांव मतदान केंद्रों तथा विकासखंड मवई अंतर्गत ग्राम पंचायत बर्रई, बीजा, मुड़िया रिचका एवं घुटास में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य का निरीक्षण किया गया।

स्वामी,प्रकाशक, मुद्रक, मुकेश श्रीवास द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं सिविल लाईन जवाहर वार्ड मंडला से प्रकाशित। प्रधान संपादक-मुकेश श्रीवास, सिविल लाईन, जवाहर वार्ड मंडला । मो. 9406771592, संपादक - प्रहलाद उइके
RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877 (समाचार पत्र के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार मंडला) Email:- revanchaltimes@gmail.com web-revanchaltimes.in